Vishnulene®
VSM SUITINGS & SHIRTINGS
Vishnu Laxmi Silk Mills
29,A-6, Udit Mittal Ind. Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Mumbai- 59
E-mail: shahsaras@gmail.com

पाक्षिक
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2021-2023 Posting on 09-04-2023 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-25 | अंक-20 | भीलवाड़ा/ 07 अप्रैल, 2023 | कुल पृष्ठ- 14 | मूल्य : 25 रुपए

गारमेण्ट व टेक्सटाइल उद्योग द्वारा नई विदेश व्यापार नीति का स्वागत

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

देश के टेक्सटाइल और गारमेण्ट उद्योग व निर्यातकों द्वारा विगत दिनों सरकार द्वारा घोषित की गई नई विदेश व्यापार नीति का स्वागत करते हुए कहा कि इससे निर्यात में वृद्धि के साथ ही एमएसएमई को भी बढ़ावा मिलेगा।

अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल ने नई विदेश व्यापार नीति की सराहना करते हुए कहा है विदेश व्यापार नीति 2023 सरकार की प्रगतिशील और विकासोन्मुख दृष्टि दर्शाती है। एईपीसी के चेयरमैन श्री नरेन गोयनका का कहना है कि यह नीति एमएसएमई को प्रोत्साहन देती है और इससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ने के साथ ही नई नीति से दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मता सुनिश्चित करेगी। नई नीति विनिर्माण और व्यावसायिक प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने में मदद करेगी। श्री गोयनका ने नई विदेश व्यापार नीति में स्पेशल एडवांस अथोराईजेशसन स्कीम का विस्तार स्व-घोषणा के आधार पर परिधान और वस्त्र तक करने के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम देश से गारमेंट निर्यात को बढ़ाने में सहायक होगा। नई नीति में एमएसएमई के लिए लाईसेंस फीस कम की गई है तथा फाईव स्टार एक्सपोर्ट हाऊस के लिए एक्सपोर्ट टर्न ओवर की सीमा को कम किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रधान मंत्री मेगा इंटेग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क्स (पीएम मित्रा) योजना को एक अतिरिक्त योजना के रुप में जोड़ा गया है, जिससे सीएसपी यानि कामन सर्विस प्रोवाईडर और स्कीम और एक्पोर्ट प्रोमोशन कैपीटल गुड्स स्कीम से पाकों को सहायता मिलेगी। एईपीसी ने नई विदेश व्यापार नीति को विश्व व्यापार संगठन की नीति कें अनुरुप बनाने के लिए धन्यवाद दिया है, क्योंकि इससे नीति में निरंतरता और स्थिरता बनी रहेगी।

निर्यात प्रक्रियाओं के सरलीकरण और डिजिटलीकरण पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने से सिस्टम को कुशल और लागत प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकेगा। कांफैडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री के चेयरमैन श्री टी. राजकुमार ने भी नई विदेश व्यापार नीति की सराहना करते हुए कहा है कि नई नीति प्रौद्योगिकी, स्वचालन (ऑटोमेशन) के माध्यम से भारत के व्यापार में परिवर्तनकारी बदलाव लाएगी। इससे भारत विश्व में उभरती आर्थिक व अन्य चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम होगा।

शेषांश पृष्ठ 6 पर....

Since 1999 9004668794
KATARIA INSURANCE
SHOP . GODOWN . FACTORY

RUBY
— THE ROSHAN WHITES —
AMAZING HANDFEEL
FLUIDITY
RICH TEXTURES
BRILLIANCE
LONG LASTING WHITENESS
WIDE RANGE OF FABRICS
NATURAL BOUNCE
IMPRESSIVE LOOK
BEAUTIFUL SHEEN
Timeless pure white fabrics, handpicked by Ruby.
Precious, like the joy of the celebration.

MAHENDRA JAIN
+91 94138 60897
+91 63785 41066
।। श्री नाकोड़ा भैरवाय नमः।।
HARSH JAIN
+91 94611 32695
Deal with ease, deal with us
Bhairav Syntex
Textile Agent
Specialisation in UNIFORM & CORPORATES
112, 1st Floor, Shreenath Tower, Pur Road, Gangapur Choraha
Bhilwara-311001 (Raj.) bhairavsyntex11@gmail.com

बाजारों में सन्नाटा : 15 अप्रैल के बाद का इंतजार

सतना/ बलराम शुक्ला

सतना होली के एक सप्ताह पहले तक ग्राहकी अच्छी थी, लेकिन होलाष्टक लगने के बाद से बाजारों में रौनक कम हो गई। हालांकि देशावर से आने वाले सप्लायरों का काम हो रहा है। सबसे ज्यादा मार पड़ी है बालोतरा और जैतपुर मंडी को पोपलीन बनाने वाले पर। बालोतरा के सप्लायर रेडीमेड पेटीकोट बना रहे हैं, सलवार सूट की ग्राहकी कम हो गई है 232और टेरी रुबिया की खपत कम हो गई है, बालोतरा और जोधपुर का रेयॉन बिक रहा है, मुम्बई की फैसी कॉटन प्रिंट बिक रही है, पाली मारवाड़ की कॉटन प्रिंट वीतराग वालों की मांग है। सबसे ज्यादा पोपलीन ईरोड़ की बडे पन्ने की बिक रही है। ईरोड़ की पोपलीन आने से बालोतरा मंडी की सेल कम हो गई है। स्विस कॉटन और माइक्रो की भी कम खपत है। इस समय सूरत की साड़ी और और फैसी ब्लाउज पीस बिक रहे हैं। दिल्ली और भिवंडी के रेडीमेड ब्लाउज की बाजार में मांग है।

पानीपत हैण्डलूम मण्डी सरकारी तन्त्र की शिकार

पानीपत/ अशोक शर्मा

पानीपत ऐतिहासिक शहर है और हैण्डलूम व कम्बल उद्योग के कारण पूरे विश्व में इस शहर की पहचान है, परन्तु इस शहर के उद्योगपतियों का कहना है कि सरकार को इस औद्योगिक मण्डी की कोई परवाह नहीं है। सरकार द्वारा मदद मिलना तो दूर की बात है बल्कि यह मण्डी सरकारी तन्त्र की गलत नीतियाँ का शिकार भी बन रही है, जिस कारण उद्योग ठप्प होने की कगार पर है।

उद्योगपतियों का कहना है कि सर्व प्रथम किसी भी फैक्ट्री को चलाने के लिए बिजली का होना जरूरी है मगर पानीपत में उतनी पूर्ति नहीं होती, बल्कि बिजली विभाग लोगों को परेशानी में डाल रहा है। कई लोगों का कहना है कि मोटे रूप में पहले तो बिजली के बिल कई बार इतने गलत आते हैं जिन्हें देख कर उपभोक्त ा परेशान हो जाते हैं। फिर जब वह उपभोक्ता बिजली के बिल को ठीक करवाने के लिए इनके कार्यालय में जाता है तो इतने चक्क र लगवाते हैं कि उपभोक्ता तंग आ जाता है। कभी आधिकारी नहीं मिलते, तो कभी कर्मचारी नहीं मिलते। इतने में अगला बिल और आ जाता है, जिसमें ब्याज और सरचार्ज और लगा हुआ आता है। केवल इतना ही नहीं घरों के बिलों का भी यही हाल है। जब से नई तकनीक के मीटर लगने शुरू हुए हैं, लोगों को बिल तक नहीं मिले और विभागीय तन्त्र पीछे से कनेक्शन बंद कर देगा और यह प्रक्रिया आम तौर पर शुक्रवार के दिन की जाती है, क्योंकि आगे शनिवार और रविवार की छुट्टी होती है। इससे उपभोक्ता और परेशान हो जाता है। एक उपभोक्ता ने बताया कि वह बिजली का बिल भरना चाहते थे, मगर पंचकूला में उनकी साईड ही बन्द थी। उनका कहना था कि एक तरफ सरकार ऑनलाइन का ढिंढोरा पीट रही है, दूसरी तरफ उनकी लाइनें ही डेड पड़ी हैं। क्या सरकार इस तरफ ध्यान देगी?, ताकि लोग समय पर सही बिल का भुगतान कर सकें।

SOLAR SUITINGS
Manufacturer of
All type Uniform Fabrics & Fancy Suitings
SOLAR SYNTHETICS (P) LTD.
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
E-63, RIICO Extension Area, Pur Road, BHILWARA-311001
(O) 01482-260765 Mob. 94141-14645
fabric@solarsuiting.com www.solarsuiting.com

वस्त्र निर्माताओं को अच्छे दिनों की उम्मीद

माधवनगर/ सत्यनारायण पलोड़

काफी दिनों से मिलों से निकासी धीरे धीरे हो रही थी, लेकिन अब होली होते ही ग्राहकी जोर पकड़ने की उम्मीद सभी को है। ग्राहकी एक साथ निकलने से होलसेल व खुदरा विक्रेताओं में यह भी चर्चा हो रही है कि जो कुछ खरीदना है, वह अभी ही खरीद लो, बाद में इस भाव कपड़ा मिलने वाला नहीं है, क्योंकि सूत का दाम कभी भी बढ़ सकता है। मिल वालों का भी यही अंदाज है। ग्राहकी चलते ही सूत का दाम बढ़ सकता है, इसलिए पहले से ही कोटा फुल कर दिया है। सर्दी के आयटमों से व्यवसाय वालों का ध्यान हट गया है। सर्दी अब खत्म हो चुकी है । सूत का भाव बढ़ना लगभग तय है, इसका डर सभी को सता रहा है। कई दिनों बाद चालानी अब धीरे धीरे रफ्तार पकड़ रही है ।

गारमेण्ट का रिटेलर्स कारोबार घटा

अप्रैल से कारोबार की उम्मीद

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

गारमेण्ट में भारी मंदी है। किसी भी खंड में कारोबार संतोषजनक नहीं है। जेंट्स, किड्स और लेडीजवेर में कारोबार घटा है। मार्च एंडिंग का गहरा असर रिटेल एवं थोक कारोबार पर पड़ा है। शादियों की मांग नहीं होने से भी कारोबार घटा है। रिटेल कारोबार ऑनलाइन प्लेटफार्म और बड़े शापिंग मॉल की ओर ग्राहकी मुड़ने से चरमरा गया है। जहां पहले शॉपिंग मॉल में ब्रांडेड गारमेण्ट की बिक्री अधिक होती थी और इसके ग्राहकों में वही शामिल थे, जिनको ब्रांडेड आइटमों की जरूरत थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब सभी किस्म के माल सस्ते दामों पर उपलब्ध होने से मध्यम तथा गरीब तब के के ग्राहकों को उनकी जरूरत का स्टॉक कम भाव पर मिल रहा है, इससे रिटेल ग्राहकी मार खा गई है।

अप्रैल महिने में शादियों के मुहूर्त नहीं है, लेकिन मई से फिर सीजन शुरू होने पर ग्राहकी निकलने की संभावना है। इस बार स्कूल यूनिफार्म की ग्राहकी लेट है। गारमेण्ट के खुदरा कारोबार में मंदी आई और बाजार में सन्नाटा छा गया। मार्च एंडिंग और बढ़ती महंगाई का असर गारमेण्ट की खरीदी पर पड़ा है। छिटपुट कारोबार रूटीन आइटमों में है।

कॉटन के साथ होजरी गारमेण्ट की मांग बाजार में बनी हुई है। लेडीज मालों में कॉटन से बनी हॉफ फ्रॉक इत्यादि की थोड़ी बहुत मांग है। अप्रैल महिने में संभावना है कि गारमेण्ट में फिर से चहल पहल बढ़े, कारण कि आगे समर सीजन के आइटमों की मांग निकलने की पूरी संभावना है। मौसम तेजी से बदल रहा है और कॉटन गारमेण्ट में कारोबार बढ़ेगा।

गारमेण्ट कपड़ों की मांग शिथिल है। सिर्फ स्कूल यूनिफार्म कपड़ों में कुछ हलचल शुरू हुई है और माल की डिस्पैचिंग होने लगी हैं। होजरी आइटमों के भाव में किसी तरह की कोई वृद्धि नहीं हुई है। होजरी में पहले से ही भाव अधिक रहे हैं। उत्पादन स्तर पर कारोबार कमोबेश डिमांड के अनुसार है। रिटेलर्स के पास बहुत अधिक स्टॉक नहीं है और रिटेलर्स की मांग सीमित होने से उत्पादन में अधिक तेजी की स्थिति नहीं है। दूसरी ओर तमिलनाडु की गारमेण्ट फैक्ट्रियों में 60 प्रतिशत मजदूर देसावरों के होने से इन मजदूरों की कमी के चलते कोयम्बटूर और त्रिपुरा के गारमेण्ट उद्योगों पर भारी असर पड़ रहा है। ऐसी रिपोर्ट है कि उत्पादन में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है।

बाजार में ग्राहकी शुरू

ब्यावर/ अनिल डोसी

आगामी अक्षय तृतीया के लगन के मद्देनजर बाजार में ग्राहकी शुरू हो चुकी है और ग्राहकी निरंतर चलने का अनुमान है। इस दौरान चलन के कपड़ों की बिक्री अच्छी रहेगी। राजपूती ड्रेस की मांग कुछ अधिक ही बढ़ गई है। शर्टिंग में प्रिण्टेड की मांग भी ज्यादा है। सूरत, पाली, बालोतरा आदि प्रमुख मण्डियों से माल रेगुलर आ रहा है। पेमेण्ट की आवक भी ठीक हो गई है।

बिजली विभाग की मनमानी से आम जनता परेशान

पानीपत / प्रिंस शर्मा

(सरकारों में सरकार मतलब खट्टर सरकार) पूरे देश भर में सभी राज्यों की सरकारें अच्छा काम कर रही हैं परन्तु हरियाणा सरकार के लिए लोगों के दिलों में निराशा है। पानीपत हरियाणा के भारतीय राज्य में एक प्रसिद्ध गंतव्य है। यह शहर मुख्य रूप से अपने मजबूत ऐतिहासिक संबंध और अनगिनत स्मारकों के कारण एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। पानीपत का शहर एक पर्यटक गढ़ है। यहां किले और कई मंदिर हैं, जो आप अपनी यात्रा के दौरान इस शहर में जा सकते हैं। शायद ही ऐसा कोई देश हो, जहां पानीपत में बने हथकरघा उत्पादों की आपूर्ति न की जाती हो। शहर को विश्वस्तर पर 'टेक्सटाइल सिटी' के रूप में जाना जाता है। इस वक्त पानीपत, सरकार की कार्यशैली से काफी परेशान हो चुका है, लोगों में सरकार के प्रति रोष है। कुछ सरकारी विभाग ऐसे हैं जहां पर सरकार की भी नहीं चलती और वह अपनी मनमानी पूरी तरह से करते हैं। आए दिन लोगों की समस्याओं से रुबरू होना पड़ता है। एक रिटायर जज के घर का मीटर काट दिया बिजली वालों ने आज कल बिजली विभाग के कर्मचारी लोगों के साथ पूरी तरह से धोखा कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि गलत बिल आने पर हमें मजबूर किया जाता है बिल जमा करने के लिए। अगर बिल नहीं जमा करते तो फिर मीटर को काटकर साथ ले जाते हैं। आम आदमी की कहीं कोई सुनवाई नहीं। पूरे साल में 6 बिल आते हैं। 5 बिजली के बिल की रीडिंग 500-600 युनिट और छठे बिल में सीधा 3200 युनिट मीटर जंप कर गया, तो बिल जरूर भरना पड़ेगा। फिर शिकायत करने पर जवाब मिलता है कि लोगों का तो 4-4 लाख का बिल आता है, यह तो बहुत ही कम है। कहीं पर कोई सुनवाई नहीं। यह एक प्रमुख समस्या है जो पानीपत के लोग वहन कर रहे हैं।

वस्त्र मण्डियों में मंदी का आलम

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

मार्च के अंतिम सप्ताह व अप्रैल के प्रथम सप्ताह में मुजफ्फरनगर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश की प्रमुख वस्त्र मंडियों को करना पड़ा मंदी का सामना। अप्रैल माह में शुभ लगन साया मुहूर्त न होने व कोई प्रमुख त्यौहार न होने के कारण बाजारों में बिक्री का अभाव रहा। अलबत्ता अब आगे आने वाले समय में मई में लगन साया मुहूर्त भरपूर होने, मौसम बदलने, मुस्लिम त्यौहार ईद होने से कामकाज बहुत बढ़िया चलने की प्रबल संभावनाएं हैं।

मुजफ्फरनगर के प्रतिष्ठित वस्त्र व्यवसायी सर्व श्री विनोद डाबर, मनोहर लाल, संजीव गोयल, राकेश झांब, अमित सिंघल, अजीत दीक्षित, हर्ष, गुलाटी जी व ब्रोकर सर्व श्री सुदर्शन खरबंदा, घनश्याम पालीवाल, पवन बत्रा, खन्ना जी, लक्ष्मण रस्तौगी, के पी त्यागी, के अनुसार आगे कामकाज दमदार रहेंगे।

21st Century TOPMAN
PREMIUM SUITING
Link Between Aim & Ambition
TOPMAN FASHION PVT. LTD.
Mills : G-214-215, RIICO IVth Phase, Bhilwara (Raj.) Ph. 260232, 260233
Mob: 94141-13190, 80055-19434, E-mail : topmansuitings@gmail.com

A COMPLETE HOUSE OF
PREMIUM DESIGNER UNIFORM FABRICS
Renlon Uniforms & Suitings
spunshades by Birla Cellulose
Renlon Uniforms crafted with Spunshades introduces fade-resistant uniform fabrics.
Creating Value with Excellence
A Brand Owned By
VIKAS SYNTEX PRIVATE LIMITED
vikas_syntex@yahoo.co.in www.vikassyntex.com

बाजार की गति फिर धीमी-धीमी

उदयपुर/ नवीन कोठारी

बीते दिनों में होली के पश्चात् शुरु होने वाले उत्सवों के कारण बाजार में चहल पहल बढ़ी, किन्तु इन दिनों में वस्त्र बाजार में पुनः सन्नाटा दिखने लगा है। आमतौर पर होली के बाद से ही गर्मी पड़ने लगती है और बाजार में कॉटन वस्त्रों की मांग बढ़ जाती है, किन्तु इस बार गर्मी का नामोनिशान नहीं है। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ का दौर जाने का नाम नहीं ले रहा। थोड़े थोड़े दिनों के अन्तराल में इसके आने से सर्दी बरकरार है। हालांकि लोगों ने गर्म वस्त्र धो धुलाकर पैक कर दिये। चौबीस घण्टों में तीन प्रकार का मौसम होने से काफी लोग बीमार भी हो रहे हैं। बाजार में रमजान की ग्राहकी के अलावा अन्य ग्राहकी नरम है। जानकारों की मानें तो प्रदेश में अब तक पश्चिमी विक्षोभ का छठा दौर आ चुका है, अब दो चार दिनों बाद गर्मी पड़ना शुरू हो जायगी, और तभी कॉटन वस्त्रों की मांग भी बढ़ने के आसार हैं।

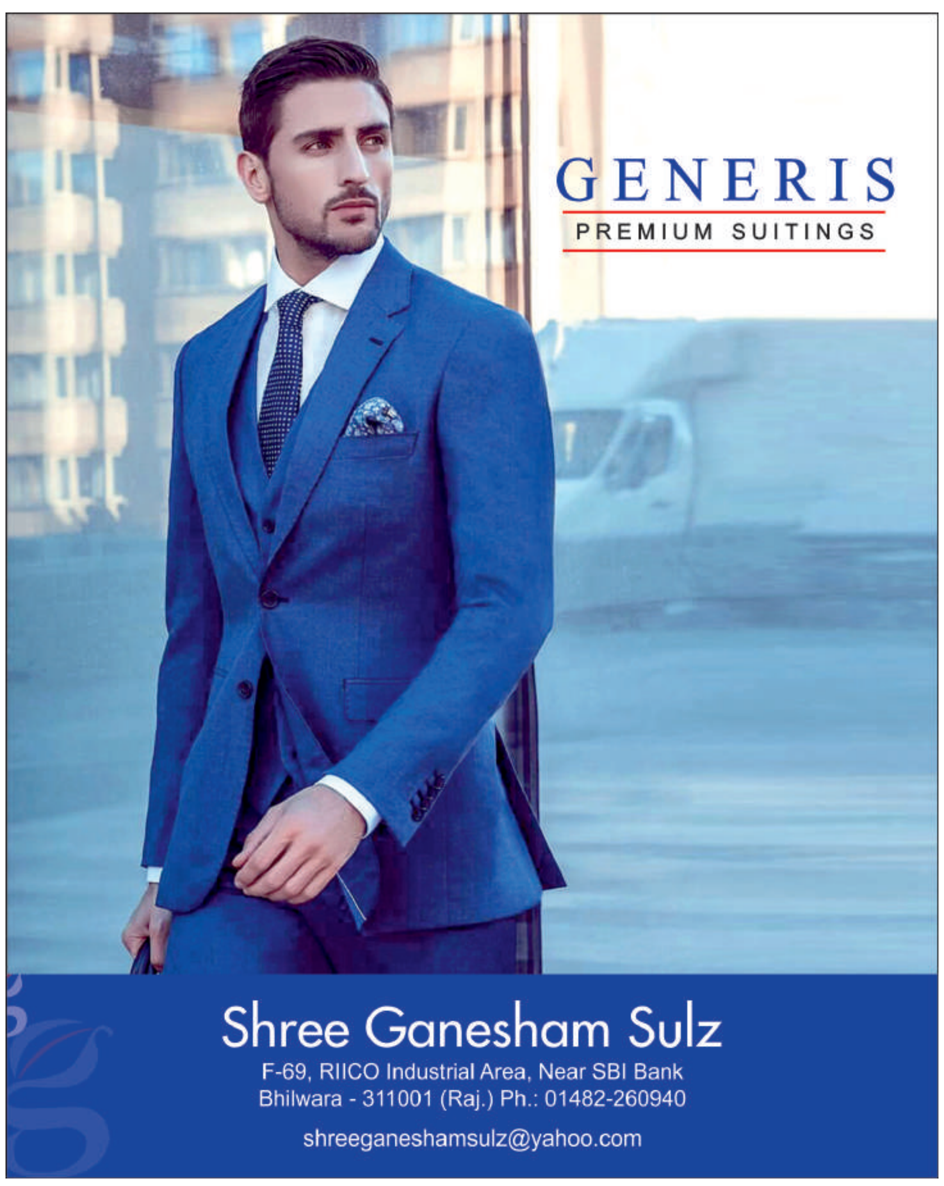

आंधी पानी ओले पड़ने से किसान मायूस

सतना/ बलराम शुक्ला

बाजार में होलाष्टक लगने के बाद रौनक कम हो गई, क्योंकि पूरे अप्रैल में वैवाहिक मुहूर्त नहीं हैं, हालांकि थोक वस्त्र व्यवसायी खरीदी करने के लिए देशावर निकल रहे हैं। वैवाहिक सीजन लेट होने के कारण आराम से खरीदी कर रहे हैं। सप्लायरों का आवागमन शुरू हो गया है और काम हो रहा है। जानकार व्यापारियों का कहना है व्यापार अच्छा चलने की उम्मीद है, लेकिन विगत सप्ताह में तीन बार भयंकर आंधी तूफान बरसात हुई है और सबसे ज्यादा नुकसान ओले गिरने से हुआ, जिससे पकी हुई खड़ी फसल बरबाद हो गयी है। फसल खेत में गिर गई है, दलहन तिलहन की फसल पूरी तरह खराब हो गई है, गेहूं की फसल को कुछ क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान है। मध्यप्रदेश सरकार ने सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने का एलान किया है। सरकार का कहना है कि अन्नदाता हमारे प्राण हैं, इनके नुकसान की मध्यप्रदेश शासन पूरी भरपाई करेगी। किसान को मौसम खुलने का इंतजार है, उसके बाद ही मालूम पड़ेगा कि कितना नुकसान है। अभी व्यापारी क्लोजिंग में लगा हुआ है, व्यापार शून्य है और पैसों की आवक बिल्कुल नहीं है।

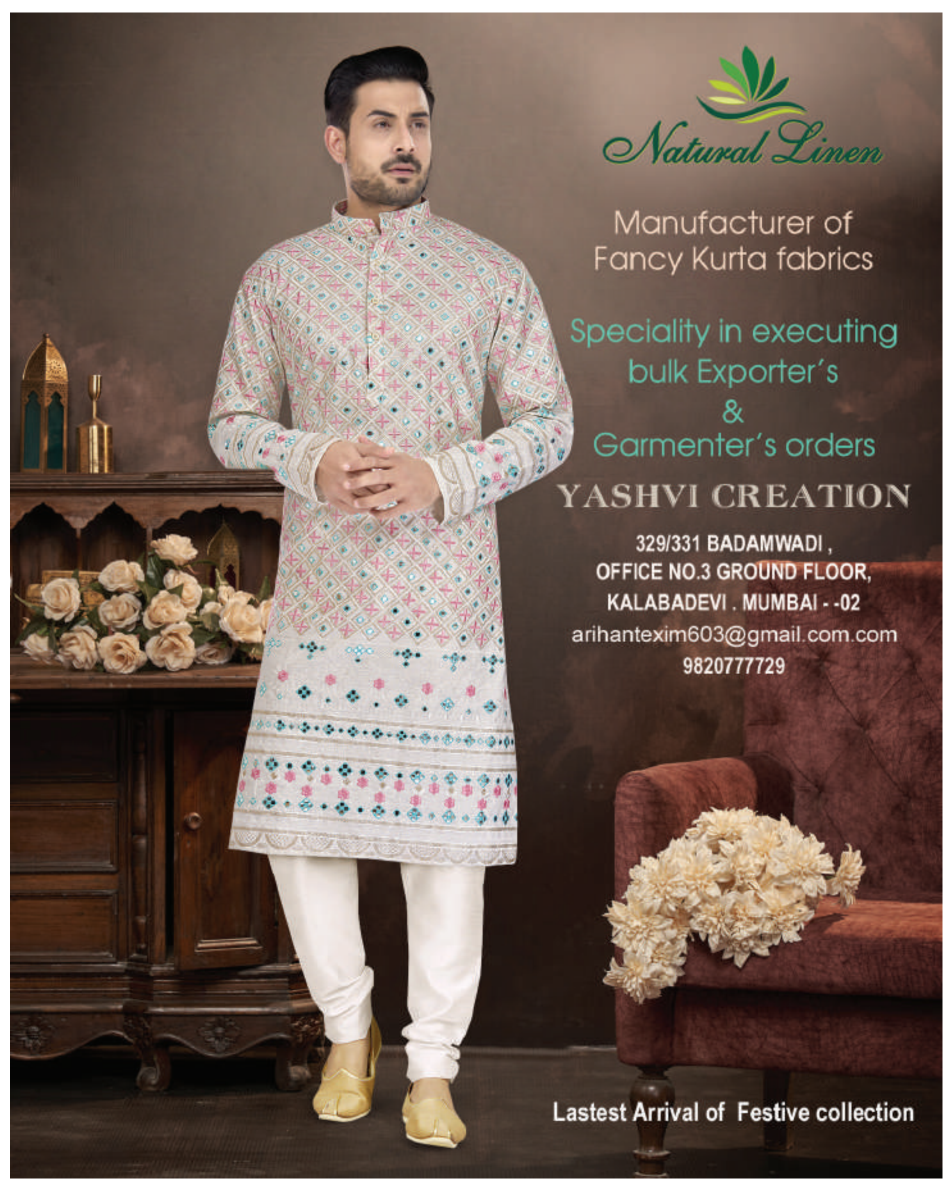

व्यापार उद्योग बेहतर संचालन की ओर अग्रसर

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत

एक लम्बे अन्तराल के पश्चात् औद्योगिक गतिविधियाँ पुनः नियमित रूप से संचालित होने की ओर उन्मुख हुई है। वीरानी का माहौल अब हलचल परिपूर्ण हो गया है। उत्पादन का नया स्वरूप उभर कर आ रहा है। ग्रे क्लॉथ के भावों का तेजी की ओर अग्रसर होने के संकेतों ने बाजार को सन्तुष्टिपूर्ण बनाने में योग दिया है। कुछ त्यौहार विशेष के कारण ग्रे क्लॉथ का उत्पादन बहुत कम हो गया है। कई क्वालिटियों का ग्रे क्लॉथ तो मिल ही नहीं पा रहा है। इस प्रकार समग्र समीक्षा से स्पष्ट तौर पर यह संभावित लगता है कि अब सीजन का आरम्भ अच्छे रूप में होना निश्चित ही है। पोपलीन की डिमाण्ड से तो एक नई ऊर्जा जागृत होने का एहसास हुआ। माल लेवाली के अनुरूप उत्पादकों के पास तैयार माल का अभाव है इस कारण कई व्यापारियों को माल चालानी में विलम्ब हो रहा हैं, वहीं दिशावरी मण्डियों में कई क्रेताओं ने वर्तमान स्थिति की नाजुकता को समझकर उपलब्ध रंगों की उपलब्धता अनुसार ही माल चालान का आग्रह किया है। नाईटी क्लॉथ में भारी माल की लेवाली तो बरकरार रही, परंतु अब सामान्य नाईटी क्लॉथ की लेवाली में सुधार हुआ है। पोकेटिंग क्लॉथ के कई आईटमों की मांग बम्पर है और उस हिसाब से कार्य सुचारू रूप से सम्पादित हो रहा है। साड़ी फॉल, रूबिया, शर्टिंग, अस्तर, क्लॉथ के माल की डिमाण्ड ने औद्योगिक क्षेत्र में व्यवस्थित वातावरण को जन्म दिया है, जो स्वाभाविक रूप से संतोषप्रद प्रतीत हो रहा है। निकट भविष्य में इसमें चार चाँद लगेंगे।

बालोतरा के जिला बन जाने की घोषणा ने एक नये उत्साह को स्थापित किया है। जिला बनाने की मांग वर्षों से चल रही थी, जिसमें कई लोगों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पचप्रदा विधायक श्री मदन प्रजापत तो प्रण लेकर एक वर्ष से अधिक समय तक नंगे पाँव ही विचरण करते रहे। जिले की घोषण के पश्चात् उनका सम्मान आभार अभिनन्दन का सिलसिला जारी रहा और अब भी विद्यमान है।

हाल ही में सम्पन्न श्री राम जयन्ती व भगवान महावीर कल्याणक के कार्यक्रमों में उद्यमियों व आम नागरिकों ने भाग लेकर इन महापुरूषों के आदर्शों को अर्ध्य चढ़ाया। इस अवसर पर युवाओं की सक्रियता का विशेष सरोकार रहा। विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें उपस्थिति ने एक नया इतिहास रचा।

प्रबुद्ध उद्यमियों के अनुसार इस उद्योग में कार्य प्रक्रिया की धीमी गति का कारण एक तो श्रमिकों की कमी है वहीं रकम की आवक अभी तक व्यवस्थित नहीं बन सकी है। वैसे वित्त वर्ष की समाप्ति के कारण लोग आमतौर पर अपने खातों के समायोजन के सन्दर्भ में रकम रोके ही रहते हैं, मगर अब इस माह से रकम का प्रवाह शानदार हुए बिना नहीं रहेगा। इसका कारण यह है कि कई प्रतिष्ठानों ने अपना धारा केश पूर्णतः और केश सदृश बना दिया है।

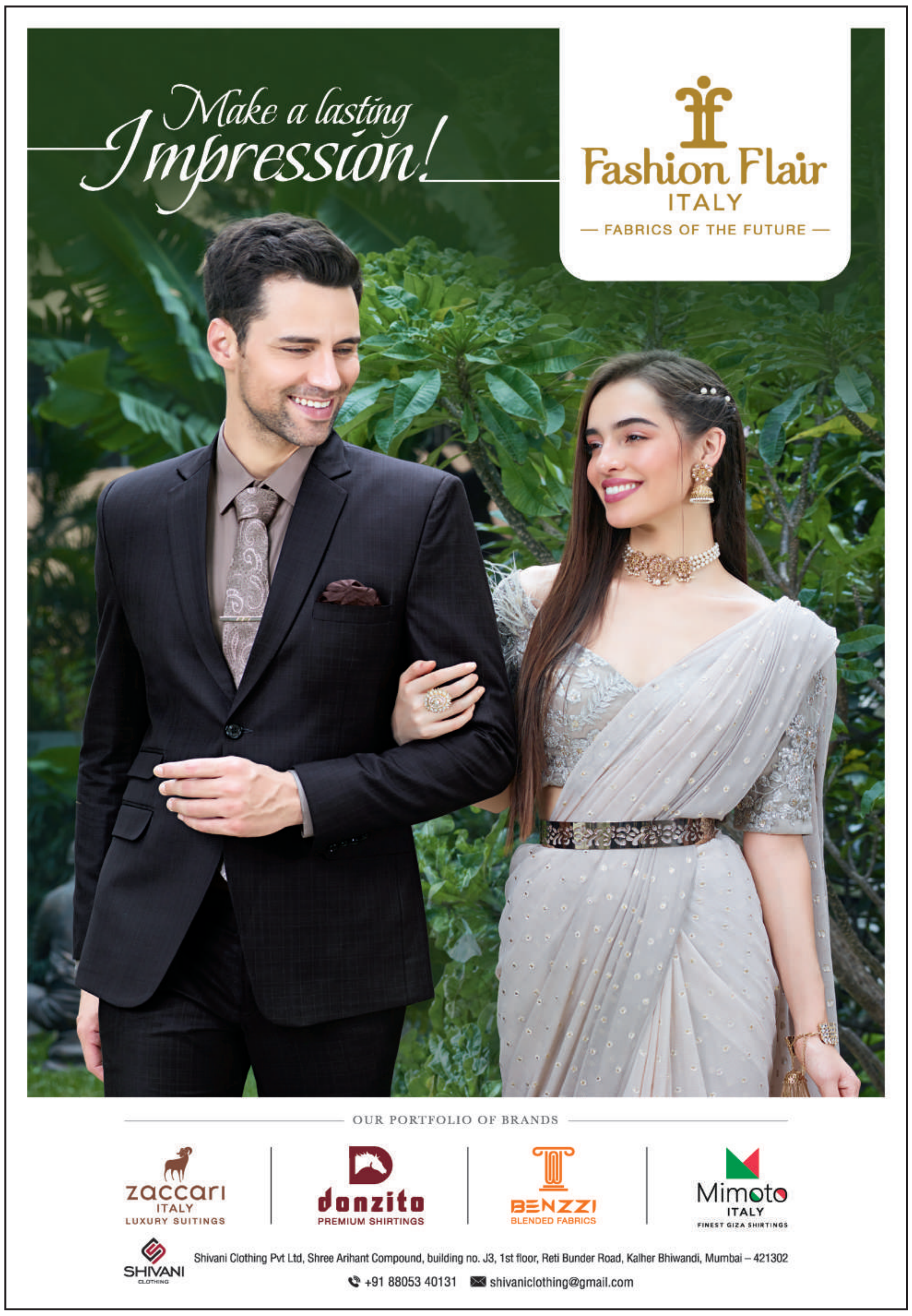

वैवाहिक सीजन की सीमित मांग आरंभ

ईद की ग्राहकी में कुछ सुधार

आगामी दिनों में कारोबार में तेजी की आशा

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

नवरात्रि के समाप्त होते ही दिल्ली कपड़ा बाजार में सीमित मांग आरंभ हो गई है तथा कारोबार में कुछ सुधार हुआ है। व्यापारियों को आशा है कि आगामी दिनों में ग्राहकी में गति आएगी। होली के बाद कारोबार में कुछ सुधार हुआ था तथा नवरात्रि के बाद इसमें और गति आई है लेकिन वांछित कारोबार की संभावना आगामी दिनों में ही है, जब वैवाहिक सीजन पूरे यौवन पर होगा। वैसे ईद की ग्राहकी में भी कुछ सुधार हुआ है, लेकिन मांग केवल हल्के आईटमों की ही अधिक है। नया वित्त वर्ष आरंभ हो चुका है, लेकिन बाजार में धन की तंगी बनी हुई है। वास्तव में कोविड-19 के बाद जहां धन की तंगी अधिक हुई, वहीं मिलों, थोक व्यापारियों आदि ने भी उधारी से हाथ खींच लिया। अधिकांश व्यापारी नकद में ही कारोबार करना चाहते हैं। मिलें भी अब उधार के कारोबार से कतराती हुई नजर आ रही हैं तथा नकद भुगतान पर डिस्काउंट आदि ऑफर कर रही हैं।

वस्तुतः मिलों या निर्माताओं द्वारा बुकिंग आदि में अधिक ध्यान सीमित समय में भुगतान पर अधिक होता है, भले की कारोबार कम हो। कॉटन व कॉटन यार्न के भाव लगभग स्थिर हो जाने से काटन फैब्रिक के भाव में अब लगभग स्थिरता आ गई है। सिंथेटिक यार्न के भाव भी काफी समय से सीमित दायरे में ही घूम रहे हैं लेकिन विगत दिनों कच्चे तेल के भाव में आई 5 प्रतिशत की तेजी के बाद सिंथेटिक यार्न में कुछ मजबूती आ सकती है।

पखवाड़े के दौरान मिलों की सूटिंग में सीमित मांग बनी रही। स्कूलों का नया सत्र आरंभ होने से भीलवाड़ा की सूटिंग में कुछ सुधार हुआ है। शर्टिंग में कारोबार कुछ सुधरा है। वैवाहिक और सिंथेटिक साड़ियों की ग्राहकी भी अच्छी रही है। कॉटन आईटमों की मांग लगातार बनी हुई है। लेडीज सूटों में कारोबार में सुधार हुआ है। सिंथेटिक सूटिंग में सीमित कारोबार बना रहा तथा आगामी दिनों में इसमें सुधार होगा क्योंकि वैवाहिक मांग आने की संभावना है। ग्राडो की फ्रीडम सूटिंग की मांग अच्छी बनी हुई है। इसकी टीआर की मांग भी अच्छी है। मिल से चालानी बराबर हो रही है। सियाराम सूटिंग की मांग भी अच्छी है। मिल की कुछ क्वालिटियों की मांग काफी अच्छी बताई जा रही है। रेमण्ड्स, रीड एंड टेलर, डोनियर, फैशन फ्लेयर आदि की मांग अच्छी है। प्लेन सूटिंग की मांग अधिक आ रही है और उपभोक्ता नए कलर अधिक मांग रहा है। गर्मी का सीजन होने के कारण लाईट कलर्स की मांग अधिक आ रही है।

कॉटन, लिनन- कॉटन सूटिंग और लिनन सूटिंग की मांग में सुधार हुआ है। भाव में अब स्थिरता आ गई है। कॉटन और लिनन में भी सोबर रंगो की मांग अधिक है। कॉटन और लिनन की मांग भी अब पूरे वर्ष बनी रहती है।

कॉम्बो पैकिंग- वैवाहिक सीजन होने के कारण कम्बो पैकिंग की मांग अधिक आ रही है। अब उपभोक्ता अच्छी क्वालिटी अधिक पसंद कर रहा है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक हल्की क्वालिटी की मांग अधिक होती थी। व्यापारियों के अनुसार यही कारण है कि अब लगभग सभी कम्पनियां कम्बो पैकिंग बाजार में दे रही हैं। इससे लोकल आइटमों की मांग प्रभावित हुई है। सफारी की मांग में भी सुधार हुआ है। प्लेन और सेल्फ डिजाइन की मांग अधिक है। स्कूल यूनिफॉर्म के लिए मिलों के अतिरिक्त भीलवाड़ा की सूटिंग की मांग में भी सुधार हुआ है।

शर्टिंग- शर्टिंग की मांग मांग में लगातार सुधार हो रहा है। कॉटन के अतिरिक्त लिनन की मांग भी अच्छी है। ईद के कारण बड़े पने की पीसी शर्टिंग की मांग भी अधिक आ रही है। सिंथेटिक साड़ियों में वैवाहिक सीजन की मांग भी आने लगी है। भारी साड़ियों की मांग में भी सुधार हुआ है।

लंहगा-चुन्नी की मांग में भी सुधार हो रहा है तथा अभी इनकी मांग बने रहने का अनुमान है। वेस्टर्न वीयर की मांग को देखते हुए अब लहंगा निर्माता गाऊन आदि अधिक बनाने लगे हैं। सोबर कलर्स और सिम्पल डिजाइन के वेस्टर्न वीयर, गाऊन आदि की की मांग अधिक आ रही है। लेडिज सूटों की मांग में सुधार हो रहा है। कॉटन सूटों की मांग अधिक आ रही है। इसके अतिरिक्त सूरत के ड्रेस मैटीरियल की मांग भी अधिक आ रही है।

कॉटन- आगामी समर सीजन के लिए कॉटन आइटमों की मांग में सुधार हुआ है। वैवाहिक सीजन के कारण टू बाई टू रुबिया की मांग भी आई है। कुर्ता-पायजामा के लिए पोपलीन आदि की मांग भी है। मफतलाल, अरविंद के अतिरिक्त पाली, बालोतरा, इरोड आदि की मांग में भी सुधार हो रहा है।

कोर कपड़ा कमेटी व ट्रांसपोर्टर्स की मीटिंग

बरेली/ राजीव अरोड़ा

बरेली होलसेल कपड़ा कमेटी और श्यामगंज ट्रांसपोर्टर्स के मध्य गत दिनों विवाद उत्पन्न हो गया। इसके पीछे मूल कारण रिक्शा चालकों की मजदूरी में बढ़ोतरी करना है। महालक्ष्मी ट्रांसपोर्ट के मालिक श्री अनिल आनंद ने बताया कि कपड़ा मंडी और कपड़ा मार्केट में दूरी होने के कारण रिक्शा चालक पहले ही अच्छा खासा भाड़ा लेते हैं, ऊपर से ट्रांसपोर्टर से भी कमीशन लेते हैं। अब हम बंद कर रहे हैं। होलसेलर्स का कहना है कि वह मजदूरी क्यों बढ़ाएंगे, जबकि पूर्व में ही उन्हें पर्याप्त मजदूरी दे रहे हैं। बरेली होलसेल कपड़ा कमेटी के अध्यक्ष श्री अनुपम कपूर ने बताया कि यह कमीशन ट्रांसपोर्टर्स ने बढ़ाया है, जो हमसे जानकारी लिए बिना या विचार विमर्श किए बिना बढ़ाया, तो हम प्रति नग क्यों बढ़ाएं? श्यामगंज के ट्रांसपोर्ट सर्विस श्री अनिल जी विष्णु भाई एवं श्री अरुण जी इस बात से सहमत होकर चले गए। अभी यह बात ट्रांसपोर्टर्स की मीटिंग में विचाराधीन है। कपड़ा व्यापारियों की मीटिंग शिव साक्षी साड़ी में संपन्न हुई थी, जिसमें सर्व श्री अनूप कपूर, पंकज आनंद, राजीव अरोड़ा, नरेश, अशोक अरोड़ा, सौरभ अग्रवाल, संजीव सेपई, अनुपम भाई आदि कपड़ा कमेटी के समस्त सदस्य उपस्थित रहे। वार्ता आगे भी जारी है।

Rimi Nayak collaborates with Liva to create an exclusive collection 'BOTANICS'

This capsule range of resort celebration wear is set to seamlessly integrate fashion and sustainability

RIMI NAYAK INDIA X liva natural fluid fashion

Mumbai/ Rimi Nayak India has collaborated with Liva from the house of Birla Cellulose to create an exclusive capsule range of resort celebration wear; 'BOTANICS.' The collection is heavily inspired by Mother Nature and its various flora and fauna. The bold floral prints in myriad bright hues are a tribute to the evergreen and effervescent nature. The riot of colours is balanced with contrasting neutral shades to signify the opposites that occur in nature including the change of seasons.

Created with Liva's natural and sustainable fabrics, the silhouettes range from free-flowing drapes and saris to structured outfits reflecting the same dichotomy that exists in nature. The collection has a lot of bright vibrant colours, big floral prints and a range of separates which can be mixed and matched together, to create looks suiting one's own personal style.

Speaking about the collaboration, Mr. Sree Charan, Global Head- Brand & Communications, Liva, said, "The core essence of Liva is creating natural fluid fabric which is fashionable and sustainable at the same time. This collaboration is a result of the alignment between Rimi Nayak's design philosophy and Liva's commitment to go heavy on style and light on the planet. With our fluid fabrics and her exquisite designs, the collection is not only aesthetically appealing but also environmentally responsible."

The exclusive collection by Rimi Nayak India and Liva Fabrics will feature classic cuts, signature prints, and unconventional surface techniques that the brand is known for. The collection will be available at Rimi Nayak India stores across the country.

Rimi Nayak, the designer behind the label, expressed her excitement for the collaboration, "Liva's fluid fabrics are a designer's dream, and I am thrilled to work with them on this collection. I have always been a fan of sustainable and eco-friendly fabrics, and Liva's commitment to sustainability aligns with our brand values. Together, we have created a collection that is both stylish and conscious."

भूल ना जाना ०१८

RISHAB WORLD

जमनालाल बजाज

(१८८९-१९४२)

बजाज ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के संस्थापक श्री जमना लाल बजाज का जन्म राजस्थान के शेखावटी में हुआ, जो कालांतर वर्धा (महाराष्ट्र) चले गए।

अंग्रेजों को प्रथम विश्व युद्ध में वित्तीय सहायता प्रदान करने के फलस्वरूप उन्हें राज बहादुर की उपाधि से नवाजा गया, जिसे 1921 में गांधीजी के असहयोग आंदोलन में शामिल होने पर वापस लौटा दी। अपने व्यापार के साथ वे राजनीति में सक्रिय रहे और कांग्रेस में शामिल हो गए। इन्हें गांधी जी ने अपना पांचवां पुत्र माना था।

गांधीजी के उच्च सामाजिक विचारों से प्रभावित होकर उन्होंने खादी के प्रचार हेतु गांधी जी के दूसरे आश्रम सेवाग्राम में खादी और ग्रामोद्योग की स्थापना की।

समाज सुधार के लिए उन्होंने वर्धा में सन 1928 में हरिजनों के लिए फैमिली टेंपल की स्थापना की। इसके साथ ही उन्होंने हरिजनों के साथ भोजन करने का अभियान चलाया।

देश में एक भाषा चलाने के क्रम में उन्होंने सी राजगोपालाचारी के साथ मिलकर दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की, जिसके माध्यम से हिंदी के विस्तार और संपूर्ण देश में हिंदी स्थापित करने की पहल की।

ऐसे महापुरुष की स्मृति में कई संस्थाएं आज भी हैं, जो जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के नाम से चल रही है।

गौरव सिन्थेटिक्स पटना द्वारा सेल्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन

पटना/ रतन लाल पण्डित.... स्थानीय कपड़ा मार्केट के प्रतिष्ठित संस्थान गौरव सिन्थेटिक्स द्वारा दिनांक 21 मार्च को होटल मोर्या में एक दिवसीय सेल्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, इसमें बिहार व झारखण्ड की रिटेल मण्डियों के लगभग 190 रिटेलर्स ने भाग लेकर कॉन्फ्रेंस को सफल बनाया।

फर्म के मुख्य संचालक श्री संजय बिदासरिया ने बताया कि कॉन्फ्रेंस के दौरान सूटिंग-शर्टिंग के प्रमुख निर्माताओं ने अपने उत्पादों का भव्य प्रदर्शन किया एवं रिटेलर्स ने शानदार बुकिंग कराई। इस दौरान कई निर्माताओं द्वारा सेल्स स्कीम भी लॉन्च की गई, इससे व्यापारियों में काफी उत्साह देखा गया। यह आयोजन सीजन से पूर्व प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है और सेल्स स्कीम दी जाती है, इस कारण रिटेलर्स बरसों से जुड़े हुए हैं। फर्म संचालक ने बताया कि हमारा एक अन्य संस्थान गौरव साड़ी के नाम से भी है, जहाँ महिलाओं के सभी प्रकार के वस्त्र उपलब्ध रहते हैं।

For Agent/Dealer/Franchise store enquiries contact: + 91 9340605633/9992514747 | helloburgoyne@wfbindia.com
AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS | Follow us on /@Burgoyneindia | www.burgoyne.co
Burgoyne and BAIRD Cotton are registered trademarks of **WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.**

सम्पादकीय....

निर्यात लक्ष्य बढ़ाना सरकार के लिए चुनौती

आयात के मुकाबले निर्यात को बढ़ाना अब भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच जब व्यापारिक गतिविधियों को गति देना चुनौती बना हुआ है, भारत ने अपनी नई विदेश व्यापार नीति जारी कर दी है। इसमें अगले सात सालों में निर्यात को दो हजार अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसे संतुलित बनाए रखने के लिए यह भी रेखांकित किया गया है कि वस्तुओं के निर्यात पर अधिक जोर होना चाहिए, ऐसा न हो कि केवल सेवाओं के निर्यात को प्रश्रय मिले।

अभी तक विदेश व्यापार नीति हर पांच साल पर जारी की जाती रही है, मगर यह पहली बार है, जब इसकी कोई अवधि निर्धारित नहीं की गई है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों के मुताबिक इसमें बदलाव करने की नीति अपनाई गई है यानि व्यापार नीति को खासा लचीला बना दिया गया है। स्वाभाविक ही, इससे व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में कुछ गति आने की उम्मीद बनी है।

यों, तो पहले ही सरकार व्यापार संबंधी नियमों को काफी लचीला बना चुकी है, जिससे निर्यात में अनेक जटिलताएं दूर हो चुकी हैं। इसी के चलते कोरोना काल में जब व्यापारिक गतिविधियां ठहर-सी गई थीं, भारत आर्थिक झंझावातों से जल्दी बाहर निकल आया, मगर आयात के मुकाबले निर्यात को बढ़ाना अब भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

पिछले महिने आए आंकड़ों के मुताबिक भारत का व्यापार घाटा कुछ कम हुआ है और अगले दो-तीन सालों में इसके और कम होने की उम्मीद जताई गई है। दरअसल, पिछले चार-पांच सालों में भारत का निर्यात लगातार कम होता गया है। इसके मुकाबले आयात बढ़ा है। इस तरह व्यापार घाटा बढ़ते हुए चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया था। फिर सरकार ने व्यापार घाटा कम करने पर ध्यान केंद्रित किया और उसके सकारात्मक नतीजे पिछले महिने देखने को मिले, मगर उसमें ऐसा भी नहीं कि निर्यात की दर बढ़ गई, बल्कि पिछले सालों की तुलना में कुछ कम ही हुई थी, मगर आयात में कमी करने की वजह से व्यापार घाटा कम दर्ज हुआ था।

इस तरह निर्यात की दर बढ़ाने को लेकर नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत लगातार रेखांकित की जा रही थी। नई व्यापार नीति के जरिए इसमें उत्साह पैदा करने का प्रयास किया गया है। अनुमान है कि चालू वित्तवर्ष में निर्यात 765 अरब डॉलर का होगा। पिछले वित्तवर्ष में 676 अरब डॉलर का हुआ था। हालांकि इस रफ्तार से भी निर्यात बढ़ता रहा, तो अगले सात सालों में इसके दो हजार अरब डॉलर तक पहुंचना आसान बात नहीं होगी।

नई विदेश व्यापार नीति में उन देशों में निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जहां डॉलर की पहुंच कमजोर हुई है या जो डॉलर के बजाय अपनी मुद्रा में व्यापार करने के इच्छुक हैं। भारत डॉलर के बजाय रुपए में व्यापार बढ़ाने पर जोर दे रहा है। वैसे भी दुनिया के कई देश अब वाणिज्य-व्यापार में डॉलर की बाध्यता से मुक्त होना चाहते हैं। रूस और चीन परस्पर व्यापार को युआन में करने पर जोर दे रहे हैं।

मगर अभी विकासशील देशों के लिए डॉलर के चक्र से बाहर निकलना इतना आसान नहीं है। भारत चाहे तो रूस और चीन के साथ इस मामले में कुछ मुक्त हो सकता है। बाकी देशों में वह किस तरह अपना तंत्र बनाता है, देखने की बात होगी। मगर असल चुनौती है कि कैसे दुनिया के बाजार में भारतीय उत्पाद के लिए जगह तलाशी और बढ़ाई जाए। इसके लिए दूतावासों को और सक्रिय करने की जरूरत है।

कुछ नया, कुछ अलग •

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

खुश रहिए, स्वस्थ रहिए -हरेश महेता

नया साल आया है खुशियाँ मनाओ
नए आसमानों से आँखें मिलाओ -अज्ञात

आज की बात शुरू करने से पहले आप सभी मित्रों को नए वित्तीय वर्ष की शुभकामनाएं। आपका आने वाला वर्ष आपके व्यापार के विकास एवं समृध्दि की गति को और तेज करे, ऐसी शुभेच्छा। व्यापार वृद्धि के साथ नए साल का एक और संकल्प लेना है कि हम पूरे साल शरीर से स्वस्थ रहेंगे, आरोग्यप्रद रहेंगे। वैसे तो अच्छे स्वास्थ्य की बात सभी करते हैं और इसके प्रति लोगों में काफी हद तक जागरूकता आई भी है, फिर भी कई केस अभी ऐसे आ रहे हैं, जो सोचने पर विवश कर देते हैं कि क्या यही आधुनिक रहन सहन की उपलब्धि है? अनियमित व अनियंत्रित खानपान, दूषित पानी, प्रदूषण व तनाव के कारण बीमारियों की समस्या बढ़ रही है। वर्तमान में बढ़ती जा रही कई तरह की बीमारियां, तनाव और डिप्रेशन, स्वस्थ और सेहतमंद जीवनशैली को बेहद प्रभावित करता है। इसका प्रभाव न केवल आपके मन व मस्तिष्क पर नकारात्मक रूप से पड़ता है, बल्कि यह आपको शारीरिक रूप से भी कमजोर कर देता है।

आजकल हम न्यूज़पेपर में कई ऐसे किस्से पढ़ रहे हैं कि आये दिन हृदयाघात (हार्टअटेक) के केस बढ़ रहे हैं। खास करके कोरोना महामारी का जो दौर गया, उसने काफी हद तक हमारे शरीर और मन को क्षति पहुँचायी है। थोड़े ज्यादा खुश हुए तो फिर अटैक आ जाता है और थोड़े ज्यादा दुःखी हो गए तो भी यह समस्या आती है। ऐसे रोगों और आकस्मिक आयी हुई शारिरिक तकलीफ समय पर पता नहीं चल पाना या उसका सही तरह से उपचार नहीं होना कई लोगों को आज भी असमय काल का ग्रास बना रहा है। रोगों को यदि होने से पहले ही रोक लिया जाए, तो हमारी जिंदगी ऐसे रोग एवं आपातकालीन स्थितियों से बच सकती है। इसके लिए हमें थोड़ा सा ध्यान रखना है और थोड़ा सा सतर्क रहना है, ताकि भविष्य को रोग मुक्त बनाया जा सके। इससे बचने के लिए-

- नियमित व्यायाम।
- कम से कम वर्ष में एक बार पूरा हेल्थ चेकअप करवायें।
- स्वच्छ पानी का उपयोग, घर का भोजन ही लें, वक्त पर और संयमित खाना खायें।
- सुबह के समय या फिर जब भी आप सहज हों, हल्की धूप जरूर लें। प्राकृतिक स्थानों पर जाएं या फिर घर के आंगन, बरामदे या बालकनी में शांत मन से बैठें।
- तनावग्रस्त होने पर अपनी नींद का पूरा ध्यान रखें। कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें।
- जब भी आपको लगे कि आप मानसिक तनाव या डिप्रेशन के शिकार हैं, अपने परिवार के लोगों या खास दोस्तों के साथ समय बिताएं और बातें करें।
- खुद को सकारात्मक बनाएं और प्रोत्साहित करें।
- सामाजिक रूप से कोई सेवा कार्यों में सिँ य रहना आपको व्यस्त भी बनाए रखेगा और तनाव के कारण की ओर से आपका ध्यान भी बंटेगा। कुछ समय में आप सकारात्मकता का अनुभव करेंगे।
- खुद से प्रेम करें और हर चीज को सकारात्मक नजरिए से देखें।

  और सबसे महत्वपूर्ण बात -
- खुश रहिए।

प्रसन्न मन एवं प्रसन्न मन का स्वास्थ्य हमारे अच्छे स्वास्थ लिए काफी महत्वपूर्ण है। सदा प्रसन्नचित्त रहें, सबसे मुस्कुराते हुए मिलिए। आप भी खुश रहिए और दूसरों को भी खुशियां दें, तभी जाकर आप तनावमुक्त रह पाएंगे। स्वस्थ व्यक्ति ही किसी भी कार्य को मन लगाकर कर सकता है। इससे हमारी व्यापार करने की,परिश्रम करने की ऊर्जा भी बढ़ेगी। मित्रों, याद रखना स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है और वही इस जीवन का आनंद ले सकता है। बीमार शरीर को करोड़ रुपये भी खुश नहीं कर पाते हैं। अस्वस्थ व्यक्ति कभी भी अपने आसपास के जीवन का आनंद नहीं ले पाता है, क्योंकि वह अपने रोग के दुःख में ही अपना जीवन व्यतीत कर देता है।

इसलिए, खुश रहिए, स्वस्थ रहिए।

Email: haresh@nemesis.co.in | Mobile +91 82916-71111

नई वस्त्रोद्योग नीति का प्रारूप कागज पर

नीति जाहिर होने में देर लगने की संभावना

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

वस्त्रोद्योग को दिशा मिलने के लिए नई वस्त्रोद्योग नीति की ओर राज्य के वस्त्रोद्योग से जुड़े सभी घटकों का ध्यान लगा हुआ था, पुराने नीति का समय खत्म होने को आया लेकिन नई नीति का प्रारूप कागज पर ही हैं, जिससे उद्यमी हवाल दिल हुए है। साथ ही में व्यवसाय की रूपरेखा तय करना कठिन हो रहा है।

गए पांच सालों की नीति 2 फरवरी 2018 को जाहिर हुई थी। उसका समय 31 मार्च 2023 को खत्म होने वाला है। उससे पहले 2023-28 के पांच सालाना नीति जाहिर होनी चाहिए। पिछले कुछ सालों से वस्त्रोद्योग संकट का सामना कर रहा है। नई नीति जाहिर करने के लिए शासन ने 4 माह पहले 24 सदस्यीय समिति का गठन किया था, जबकि इस समिति को दो माह में इसके बारे में जानकारी लेकर शासन को अहवाल भेजना था। उस पर वस्त्रोद्योग आयुक्त और सचिव विस्तार से प्रारूप तैयार कर उसके बारे में सूचना-हरकत लेकर जाहिर करने वाला था, लेकिन यह प्रारूप कागज पर ही है। समिति सदस्यों में वस्त्रोद्योग क्षेत्र के पूर्व और विद्यमान विधायक, तज्ञ और उद्यमी शामिल हैं। उनकी ओर से जानकारी ली है, लेकिन कच्चा प्रस्ताव उनको दिखाया नहीं है। ऐसे में खेती के बाद सबसे बड़े पैमाने पर रोजगार देने वाले वस्त्रोद्योग को लेकर सरकार उदासीन क्यों ऐसा वस्त्रोद्योग के कई घटकों की ओर से किया जा रहा है। नई नीति जाहिर होने के बाद उसके अनुसार वस्त्रोद्योग से जुड़े सभी घटक अपनी अपनी पाँच सालों की रणनीति तय करते हैं। नई मशीनरी खरीदना, साथ ही में व्यवसाय बाकी उत्पादन को लेकर नीति तय करना, कर्जा, हप्ता इसके बारे में नियोजन नई वस्त्रोद्योग नीति पर निर्भर होता है, लेकिन अब यह नीति कागज पर ही है, जिसको जल्द से जाहिर होना चाहिए।

स्थानीय एवं निर्यात मांग सुधरने से कॉटन यार्न का उत्पादन बढ़ा

मुंबई/ यार्न मार्केट में कामकाज साधारण है। कॉटन यार्न सहित पोलिएस्टर यार्न, नायलोन यार्न, पीवी और पीसी के साथ आधुनिक विभिन्न वेराइटी के यार्न में लेवाली धीमी है। बाजारों में कपड़ों की मांग भी अधिक नहीं है, लेकिन बहुत अधिक स्टॉक भी नहीं है। पिछले एक वर्ष से भारत के टेक्सटाइल उद्योग को अनेक चुनौतियों से जूझना पड़ा है। रुई के बहुत अधिक बढ़े भाव से कॉटन यार्न का उत्पादन, उसकी खपत और निर्यात पर गंभीर असर पड़ा था। स्थानीय स्तर की मांग नहीं बढ़ने का कारण अनिश्चितता था, लेकिन अब रुई के भाव एक उचित स्तर पर स्थिर हो गए हैं और इस भाव पर स्पिनिंग मिलों को यार्न का उत्पादन एवं बिक्री करने में कोई परेशानी नहीं है। रुई के भाव में जैसे ही स्थिरता आई, वैसे ही वीविंग इकाईयों की मांग के साथ निर्यात मांग का सपोर्ट मिलने से स्पिनिंग मिलों में कॉटन यार्न का उत्पादन लगातार सुधर रहा है। कॉटन यार्न की मांग में हो रही वृद्धि के कारण स्पिनिंग मिलों में उत्पादन अब पूरी क्षमता से हो रहा है। वेल्यू चैन में इंवेटरी खाली होने से आगामी दिनों में अच्छी मांग दिखाई देगी। कॉटन यार्न की कीमतें 275 रू प्रति किलो से घटकर 265 रू हो गई है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 तक भारत से कॉटन यार्न के निर्यात में 59 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। पिछले वर्ष की समान अवधि के 118.6 करोड़ किलोग्राम की तुलना में इस अवधि में निर्यात घटकर 48.50 करोड़ किलोग्राम रहा था। अब निर्यात में सुधार होने लगा है।

निर्यातकों का कहना है कि फरवरी से तुर्की एवं यूरोप से कॉटन यार्न की मांग में भारी बढ़ोतरी हुई है। तुर्की में आए विनाशक भूकंप के कारण वहां के स्पिनिंग क्षेत्र को नुकसान हुआ है, इससे भारत से कॉटन यार्न की मांग बढ़ी है। यूरोपियन देशों से आर्डर मिल रहे हैं। पोलिएस्टर स्टेपल फाइबर, पीओवाय, पोलिएस्टर इंडिस्ट्रयल यार्न और 100 प्रतिशत पोलिएस्टर स्पन और ह्वाईट यार्न पर क्वालिटी कंट्रोल आर्डर की जो घोषणा की गई थी और 3 अप्रैल से इनका अमलीकरण होने वाला था, उसकी अवधि अब बढ़ा दी गई है। इससे पोलिएस्टर यार्न का आयात करने में कोई कठिनाई नहीं होगी। वीवर्स को उचित भाव पर यार्न बाजारों में मिलेगा।

गारमेण्ट व टेक्सटाइल उद्योग द्वारा नई विदेश...

पृष्ठ 1 का शेषांश

श्री राजकुमार का कहना है कि टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेण्ट देश की अर्थ-व्यवस्था का प्रमुख भाग है और देश के कुल निर्यात में इसका योगदान 8-9 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स में लगने वाला समय टेक्सटाइल और गारमेण्ट के निर्यात कारोबार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नई नीति से जिस काम की प्रक्रिया के लिए एक महीने का समय लगता है वह चंद दिनों में पूरा हो जाएगा। उनका कहना है कि नई विदेश व्यापार नीति के तहत रुपए में भुगतान के प्रावधान रुपए के अंतर्राष्ट्रीयकरण से बांग्लादेश, श्रीलंका, रुस आदि देशों के साथ टेक्सटाइल और गारमेण्ट के कारोबार में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि स्व घोषणा के आधार पर परिधान और वस्त्र क्षेत्र को स्पेशल एडवांस आथोराईजेशन स्कीम में शामिल करने की लम्बे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी, इससे निर्यात आर्डर को जल्दी पूरा किया जा सकेगा। नई एमनेस्टी योजना भारत के टेक्सटाइल गारमेण्ट उद्योग के लिए लाभदायक साबित होगी। उल्लेखनीय है कि पुरानी विदेशी नीति 31 मार्च 2020 तक थी, लेकिन कोविड और कुछ अन्य कारणों से उसी में संशोधन किए जा रहे थे। नई विदेश व्यापार नीति की कोई सीमा नहीं है तथा समय-समय पर आवश्यकता के अनुरुप इसे अपडेट किया जाता रहेगा। सरकार का कहना है कि 2030 तक देश का निर्यात 2 ट्रिलियन तक पहुंच जाना चाहिए और नई नीति इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नई नीति विभिन्न हितधारकों से लम्बे समय तक विचार-विमर्श करने के बाद तैयार की गई है। नई नीति के चार प्रमुख स्तंभ हैं-प्रोत्साहनों से छूट की ओर बढ़ना, गंठबंधनों के माध्यम से निर्यात संवर्धन, कारोबार करने की सुगमता और नए उभरते क्षेत्रों यानि निर्यात हबों पर ध्यान।

Yarn Rate+GST
यार्न रेट्स 05 अप्रैल, 2023

C.T.M.
PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	237
2/18 Dyed	198
2/40 Dyed	282
2/30 Frosted	235
2/30 Dyed Slub	237
2/30 School Dress Clourer	237

R.T.M
PH. 24766, 9829046404

2/30 Dyed Ntbl	240
2/40 Dyed	285
2/30 Frosted	240

Birla Tex Mills

2/18 Dyed	200

SRM Spinners
Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	177
2/18 PV Navy 85:15	192
2/18 PV Black 70:30	182
2/18 R Navy 70:30	205
1/15 Poly Black	132
20 PV Black	171
15 PV Black	170
2/18 S Navy 85:15	200

GRASIM INDUSTRIES LTD.
PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	245
2/40 Dyed	280
2/50 Dyed	340

PANIPAT YARN
Mob: 9416031498

TEXTURISE	
150 Roto Grey	110-135
150 Roto Black	105-147
150 Roto Bright	118-138
150/250 Grey	120-154
150/250 Dyed	142-167
150 Fdy	122
P.V. Yarn	
2/20 Grey CL	136
2/40 POLY	190
2/15 Poly Grey	129
2/20 Poly CL	-----
20 Poly CL	124
Cotton Yarn	
4 CONE	55-92
6 CONE	78-136
10 CONE	91-172
2/4 CONE	85-140
2/6 CONE	81-155
2/8 CONE	89-155
2/10 CONE	104-216
2/20 CONE	198-253
2/30 CONE	285-364
2/40 CONE	275-334
STAPLE YARN	
10 CONE	197
15 CONE	205
20 CONE	212
2/15 CONE	215
2/40 CONE	275

VISAKA IND. LTD.
PH. 93514-27900, 96604-14405

2/30 100% Polyester Gray	181
2/30 65/35 Black	245
2/30 65/35 Gray	205
2/40 65/35 Black	285
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	255

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.
PH. 99358-27000

MAHABIR	
2/30 P/V	155
2/40 P/V	----
1/20 P/V	150
1/15 P/V	160
Janvi	
1/15 Psy	124
RSWM	
2/40 PV	208
2/30 Psy	185

Inclusive of 12 % GST

NEETA YARNS
Ph. 022-28335766, 093246-70428
(M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg	
30/62 Alpine	210
2/60 PVT	280
2/60 Polyster	240
2/80 PC Combed	380
2/76 Polyster	290
2/60 P.V.	285

MODTEX TEXTURISERS
PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	193+GST
150 HIM Cone Dyed	182+GST
300 HIM Cone Dyed	181+GST
450 ATY fancy Cone	------
300 Black B. Cone Dyed	....
240 Lighting 100% Cone Dyed	....

Kishangarh Yarn Bazar
PH. 98297-21313
JAGDISHKOTHIWAL
CON YARN (Per 5 K.G.)

16 Arihant Viscous	540
20 Patiyala ND	575
20 Patiyala Silver	191
20s Puja viscous	583
16s cottspin	532
20s Shri Mahadav	199
23 JS Viscous	575
20 VISCOUS	-----
16 Tile	532
20 OM Thread	563
20 JS	557
23 JS	620
10 ARI	97+GST

GST Paid

Raghav Group
M. 94141-11402
Email: sheetal@raghavindia.com

Raghav Agency Trident Ltd.	
1/10 OE	208
1/14 OE	215
1/16 OE	220
1/20 OE	240
30 KW	290
30 CW	310
2/40 CW ELLY	310
30 CW COMPACT	---
40 CW COMPACT	370
60 CW COMPACT	---
50 CW COMPACT	415
Ankur Udyoug	
1/30 Polyester 100%	142+GST
1/20 Polyester 100%	132+GST
1/15 Polyester 100%	127+GST
Sidhartha Super Spinning Mills	
2/15 P/V Dyed OG	235+GST
2/18 P/V Black	192+GST
2/30 P/V Black	260+GST
LNJ DENIM	
6 OE	203
7 OE	205
8 OE	---
9 OE	---
10 OE	210
10 Lycra	285
16 Lycra	---
10 Slub Lycra	315
16 Slub Lycra	-----
SRM SPINNERS LIMITED	
2/30 P/V Black	230+GST
2/18 P/V Black	210+GST

Ratan Barjatiya Yarn Spinners P. Ltd.
PH. 94141 13144

Pv yarn	
2/40 pv	200
2/30 pv	174
2/24 pv	168
2/20 pv	164
2/18 pv	161
2/15 pv	156
1/15 pv	148
POLY YARN	
2/40 poly	175
2/30 poly	154
2/24 poly	149
2/20 poly	145
1/15 poly	127
Pv Black 80:20 Blend	
2/40 pv black	215
2/30 pv black	184
2/18 pv black	165
30 pv black.	166
18 pv black.	146
15 pv black.	142
100% poly black yarn	
2/30 poly Black.	158
2/18 poly black.	130
2/15 poly black.	128
18 poly black.	121
15 poly black.	120
PC yarn 65:35	
2/30 pc virgin	204 rs
2/30 pc recycled	193 rs

Less 1 rs cd +12% gst

*Prices for forward booking ,Delivery after 7 days from confirmation *

JAGDAMBA SPINNING YARN PRICES

POLYESTER ULTIMA YARN	
2/30 poly @	160
2/20 poly @	150
2/15 poly @	145
40 poly @	158
30 poly @	142
24 poly @	136
20 poly @	132
15 poly @	127
12 poly @	124
10 poly @	122
8 poly @	119
PV YARN PRICES (70:30)	
2/30 pv @	180
2/20 pv @	170
2/15 pv @	165
40 pv @	179
30 pv @	163
24 pv @	157
20 pv @	153
18 pv @	151
15 pv @	148
10 pv @	143
MAGIC YARN	
2/47 PV Magic	202
2/32 PVT	156
2/32.PT.	146
2/47 Poly Magic	173
2/45 POLY MAGIC	168

HIND SYNTEX LTD.
PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	168+GST
2/30 PV	183+GST
15S PV	153+GST
2/24 PV	178+GST
2/30 Polyester TFO	153+GST
2/20 Polyester TFO	143+GST

टेक्सटाइल वर्ल्ड
समाचार पत्र प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें।
PHONE 01482-237165 | MOBILE 9468835188
417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL,
GOVINDAM, OLD RTO ROAD,
BHILWARA-311001, (RAJ.)
E-mail: textileworldtw@gmail.com
Web: www.textileworld.org

सदस्यता फॉर्म
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
वस्त्र उद्योग जगत का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र

मान्यवर,
आपको यह जानकारी देते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि टेक्सटाइल उद्योग जगत का एक मात्र सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' आज दिल्ली, अमृतसर, लुधियाना, रोहतक, मुम्बई, भिवण्डी, नागपुर, अमरावती, पूना, इचलकरंजी, सोलापुर, सूरत, अहमदाबाद, गोरखपुर, आगरा, कोलकाता, ग्वालियर, रायपुर, उज्जैन, इन्दौर, रांची, हैदराबाद, सिकंदराबाद, कोयम्बटूर,बुरहानपुर, बंगलुरू, चैन्नई, सेलम, मालेगांव, इरोड़, बरेली, मुरादाबाद, भीलवाड़ा, जोधपुर, बालोतरा, पाली, जयपुर, उदयपुर सहित पूरे देश में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सम्पूर्ण टेक्सटाइल क्षेत्र में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार है और यह सब आप जैसे जागरूक पाठकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है।
आपके लिए 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' किस प्रकार उपयोगी है:- क्योंकि यह एक अखबार ही नहीं अपितु एक महत्त्वपूर्ण सूचना प्रदायक दस्तावेज है जिसमें पूरे देश की वस्त्र मण्डियों के समाचारों के साथ-साथ फाइबर से लेकर फैब्रिक, मशीनरी, केमिकल आदि के संबंध में केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी महत्त्वपूर्ण नीतियों का समावेश होता है। यह आप के व्यापार की श्रीसमृद्धि में निश्चित रूप से अभिवृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगा।

AXIS BANK
Textile World
Axis bank, Bhilwara
A/c no. 911020040072253
Ifs code - UTIB0000241

कोरियर द्वारा पांच वर्ष की सदस्यता पर ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री

नोट - ऑफर सीमित समय के लिये

वर्ष	ऑफर	प्रतियां	कोरियर द्वारा
1 वर्ष	---------	24	रू.500
2 वर्ष	+1 वर्ष की सदस्यता फ्री	72	रू.1000
5 वर्ष	ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री	120	रू.2500

हाँ, मैं 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' समाचार पत्र की सदस्यता प्राप्त करना चाहता हूँ:-
☐ एक वर्ष ☐ तीन वर्ष ☐ पांच वर्ष

नाम एवं पद ....
कम्पनी/फर्म का नाम : ....
पता : ....
..........पिन कोड नं. ....
मोबाइल नं. ....फोन नं. ....

कैटेगरी: ☐ निर्माता ☐ प्रोसेसर ☐ स्पिनर ☐ निर्यातक ☐ आयातक ☐ एजेण्ट ☐ डीलर ☐ होलसेलर ☐ रिटेलर ☐ डिजाइनर ☐ कंसल्टेंट ☐ इंस्टीट्यूट ☐ अन्य ....

डीलिंग: ☐ सूटिंग ☐ शर्टिंग ☐ साड़ी ☐ ड्रेस मटीरियल ☐ रेडिमेड गारमेण्ट ☐ होजयरी ☐ मशीनरी ☐ केमिकल ☐ यार्न ☐ पैकेजिंग मटीरियल ☐ होम फर्निशिंग ☐ अन्य ....

सदस्यता हेतु चैक/ड्राफ्ट नं. .... दिनांक .... रु. .... 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' के नाम से प्रेषित है।

विशेष- यदि आप पत्रकार के रूप में आपके यहां के टेक्सटाइल मार्केट की न्यूज भी हमें भेजना चाहते हैं तो कृपया 9468835188 पर whatsapp सम्पर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करालें।

417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL, GOVINDAM, OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001
Tel: 01482-237165 | E-mail: textileworldtw@gmail.com | Web: www.textileworld.org

7 से 21 अप्रैल, 2023

SINCE 1998

टेक्सटाइल वर्ल्ड Corporate

चिनार फैब्रिक्स द्वारा प्रदत्त स्कीम का जयपुर में निकाला लक्की ड्रॉ

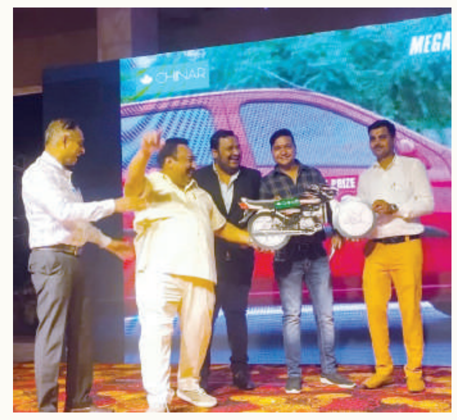

CHINAR FABRICS

इस अवसर पर समर सीजन के वस्त्रों की लगाई प्रदर्शनी तथा नये उत्पाद भी लॉञ्च किये

भिवानी/ चिनार फैब्रिक्स ने जयपुर (राजस्थान) में रिटेल स्कीम का लक्की ड्रा दिनांक 19/03/2023 को होटल रमाड़ा, जयसिंहपुरा, जयपुर (राजस्थान) में उतर भारत के लगभग 250 रिटेलर्स एवं उनके डीलर्स तथा एजेन्ट्स की मौजूदगी में निकाला गया। इस अवसर पर चिनार फैब्रिक्स के प्रबन्ध निदेशक श्री पुरूषोतमदास अग्रवाल, डायरेक्टर श्री उज्ज्वल अग्रवाल तथा कम्पनी के एजेन्ट सर्व श्री राजकुमार भाटिया, पवन राव दिल्ली, पदम महता जोधपुर, गणेश दीक्षित कानपुर, रामौतार भिवानी आदि की गरिमाई उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर कम्पनी के होलसेल डीलर भी उपस्थित रहे। लक्की ड्रा का परिणाम इस प्रकार रहा :-

- **प्रथम ईनाम श्री मनीष जी दिल्ली की फर्म ने प्राप्त किया।**
- **दूसरा ईनाम श्री मंगत (गोबिन्दलाल) रूद्रपुर की फर्म व श्री नरेन्द्र जी, पिलखुवा की फर्म ने प्राप्त किया।**
- **तीसरा ईनाम श्री समीर टण्डन व श्री अमित गोयल, दिल्ली की फर्म ने प्राप्त किया।**

इस अवसर पर चिनार फैब्रिक्स के प्रबन्ध निदेशक श्री पुरूषोतमदास अग्रवाल एवं निदेशक श्री उज्ज्वल अग्रवाल तथा श्री दीपक अग्रवाल ने चिनार परिवार की तरफ से लक्की ड्रा में पधारे सभी रिटेलर्स, डीलर्स एवं एजेन्ट्स का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर पर लक्की ड्रा में उपस्थित रिटेलर्स, डीलर्स एवं एजेन्ट को सम्बोधित करते हुए प्रबन्ध निदेशक श्री पुरूषोतमदास अग्रवाल ने बताया कि आगामी सीजन के लिए आने वाली बेहतरीन क्वालिटियों की प्रदशर्नी लगाई गई। चिनार फैब्रिक्स को आधुनिक तकनीक एवं नये स्टेप एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की फैब्रिक्स को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत किया गया। भारत के कपड़ा बाजार से फैब्रिक्स की बुकिंग अत्याधिक प्राप्त हो रही है, जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है। चिनार फैब्रिक्स का सैफ स्टाईल के रूप में सस्ता कपड़ा भारतीय बाजार में उपलब्ध करवाने में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा चुकी है। उतर भारत के कपड़ा बाजार में चिनार फैब्रिक्स की बिकवाली काफी बढ़ी है। श्री अग्रवाल ने बताया कि आज के युग में गुणवतापूर्ण आधुनिक डिजाइन के फैब्रिक्स ही कपड़ा बाजार में पूर्ण रूप से टिक सकते हैं। समय के साथ-साथ आधुनिक वस्त्रों एवं सैफ फैब्रिक्स की माँग तेजी से बढ़ी है तथा ग्राहक कम्पनी से यह अपेक्षा रखते हैं कि उन्हें समय-समय पर नये-नये उत्पाद मिलते रहें, इन्हीं बातों को विशेषतौर से ध्यान में रखा है।

चिनार फैब्रिक्स ने अपनी सूटिंग व शर्टिंग की विस्तृत रेंज बनाकर बाजार में प्रस्तुत की हुई है। कम्पनी के निदेशक श्री उज्जवल अग्रवाल ने बताया कि यह विशेष तकनीक व उम्दा क्वालिटी के धागे से निर्मित व हाई प्रोफाईल प्रोसेस से बनी शर्टिंग है, जो इको फ्रेण्डली है, तथा शर्टिंग में बेहतरीन क्वालिटियों के साथ-साथ इसकी कीमत भी किफायती रखी गई है, जो कि आम उपभोक्ता की पकड़ में है। कम्पनी ने समर सीजन के लिए आधुनिक डिजाईन बाजार में उतारे हैं, जिसकी बाजार में अत्यधिक माँग बनी हुई है।

गिफ्ट पैकिंग्स एवं यूनिफॉर्म की अच्छी मांग

लक्की ड्रॉ में उपस्थित डीलर्स एवं एजेन्ट्स ने संयुक्त रूप से बताया कि चिनार फैब्रिक्स की पैकेजिंग एवं यूनिफॉर्म भी लाजवाब है, जो कि बदलते फैशन के हिसाब से नये एवं बेहतरीन डिजाईन बाजार में उपलब्ध करवा रही है, जिससे आम उपभोक्त ा को डिजाईन खूब पसंद आ रहे हैं और दाम भी वाजिब रखे हैं, जिससे आम उपभोक्ता सरवाईव कर सकता है। इस अवसर पर चिनार फैब्रिक्स के डायरेक्टर श्री उज्ज्वल अग्रवाल ने बताया कि कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आधुनिकता की दौड़ के अनुरूप वस्त्र उत्पादन तथा स्पष्ट व साफ-सुथरी नीति के अनुसार कार्य-व्यापार करते हुए कम दाम पर विस्तृत रेंज बनाकर सूटिंग-शर्टिंग के ग्राहकों के हाथों तक पहुंचाना है, ताकि वे अवसर के अनुरूप अपने व्यक्ति त्व को निखार सकें। इससे इस कम्पनी की देश-विदेश में साख, पहचान और प्रतिष्ठा कायम रह सकेगी। श्री अग्रवाल ने आगे बताया कि मिल द्वारा समय-समय पर नई-नई स्कीम इत्यादि का आगाज किया जाता रहता है। मिल द्वारा अपने ग्राहकों की अपेक्षा और मांग के अनुरूप बदलते फैशन व लाइफस्टाइल के वस्त्र उपलब्ध करवाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कायम रखना ही उनका दायित्व है। इस अवसर पर सभी रिटेलर्स ने समर सीजन की रेगुलर क्वालिटियों की बुकिंग भी दी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। श्री अग्रवाल ने बताया कि आज के लक्की ड्रा में उतर भारत के व्यापारियों ने बुकिंग में जो उत्साह दिखाया, उसके लिए हम उनका तहेदिल से आभार प्रकट करते हैं और आशा करते हैं कि भविष्य में भी इसी तरह आपकी अपनी चिनार फैब्रिक्स को बुकिंग देकर हौसला बढ़ाते रहेंगे। इस अवसर एजेन्ट व डीलर्स ने लक्क ी ड्रा में पहुंचे सभी रिटेलर्स बन्धुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा सभी रिटेलर्स ने चिनार फैब्रिक्स को किफायती दाम पर ब्राण्डेड उत्पाद उपलब्ध करवाने पर मैनेजमेंट का धन्यवाद किया तथा भविष्य में भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया। श्री दीपक अग्रवाल ने बताया कि उतर भारत के व्यापारियों ने जो उत्साह दिखाया, उसके लिए उनका आभार प्रकट करते हैं। और कम्पनी भी समय-समय पर अपने व्यापारियों को अच्छी-अच्छी स्कीमों तथा बेहतरीन क्वालिटी के वस्त्र उपलब्ध करवाती रहेगी। लक्क ी ड्रा में कम्पनी के स्टाफ ने अपना भरपूर सहयोग दिया, उसके लिए भी चिनार परिवार उनका आभार प्रकट करता है।

RISHAB WORLD

The
Finest Italian Fashion
Fabrics

D&J

www.donandjulio.com

DonandJulio Don & Julio

Call at +91 93219 14004 or email at crm@rishabworld.com

डालमिया सिन्थेटिक्स द्वारा महाबोधि सांस्कृतिक केन्द्र बोध गया में 50 Years Anniversary स्वर्ण जयन्ती पर लगन उत्सव व रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

गया/ रतन लाल पण्डित

डालमिया सिन्थेटिक्स की स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर लगन उत्सव नामक कार्यक्रम महाबोधि सांस्कृतिक केन्द्र बोध गया में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग सभी प्रमुख मिल मालिकों ने भाग लिया। उनके प्रतिनिधियों ने ट्रेड शो में अपने प्रमुख उत्पादों के सेम्पल्स का डिस्पले भी किया, जिसमें आगामी लग्न और ईद की सीजन की अच्छी बुकिंग की।

इस अवसर पर लगभग 110 सप्लायर्स के अतिरिक्त बिहार व झारखण्ड से करीब 1500 व्यापारी बन्धुओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर दिन में फैशन शो का आयोजन किया, जिसमें कयान प्रिण्ट्स, कलाश्री, निल माधव, श्याम शक्ति फैशन (लहंगा) त्रिवेणी, राम रसिया, शुभ लक्ष्मी, रॉयल लक्मे, व जे आर राजकुमार आदि ने भाग लिया, सूटिंग-शर्टिंग, धोती, पोपलीन, रूबीया, सलवार सूट एवं ड्रेस मटीरियल के सप्लायर भी मौजूद थे। वहीं रात्रि 8 बजे प्रख्यात कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। अगले दिन भोजपुरी कलाकारों काजल राधवानी एण्ड पार्टी द्वारा शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम से पूर्व पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर तीस व्यापारियों को 10-10 ग्राम चांदी के सिक्के दिये गए।

डालमिया सिन्थेटिक्स के मालिक श्री शिव कैलाश जी डालमिया द्वारा अपनी फर्म की पच्चासवीं सालगिरह धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पधारे मील मालिकों का अभिनन्दन भी किया गया तथा सर्वाधिक खरीद करने वाले व्यापारी को भी पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर डालमिया सिन्थेटिक्स के श्री अभिषेक डालमिया ने कहा कि मै अपने छोटे भाई श्री गौतम डालमिया के साथ मिल कर इस परम्परा का निर्वहन करता रहूंगा। साथ ही इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आगन्तुक व्यापारियों का आभार व्यक्त किया।

DALMIA SYNTHETICS
12, K.P. Road, Road, Gaya - 823 001 Bihar, Mob.: 9431224998

BURGOYNE
THE ORIGINAL LINEN
ESTD. 1912

conducts successful Tradeshow in March 2023 at Kerala

WFB Baird & Company (India) Pvt. Ltd. recently held the **Burgoyne** Tradeshow at Ramada Resort a luxury retreat, nestled in a picture-perfect locale, beside the picturesque lakes of Kumbalam, in the outskirts of Kochi. The tradeshow witnessed robust participation by all the Pan-India dealers and agents of **Burgoyne**, who came from all across India.

The tradeshow, held between 11th – 14th March 2023, was inaugurated by company's Chairman Mr. James Baird along with the Directors Mr. Joshua Baird, Ms. Suchitra Menon (Director & CEO), Mr. Pradeep Kumar B (Director & COO) and Mr. Abhijit Ganguly (Director & Business Head - Domestic) in the presence of All-India dealers, agents & other company officials.

The tradeshow witnessed the launch of Utsava by **Burgoyne**, an exquisite ceremonial ethnic fabric collection crafted from Irish heritage premium linen. Versatile linen fabrics have been handpicked to complement the elegant curations which come in a vibrant palette with a combination of intricate digital, embroidery and sequin work. The bespoke Utsava range, that is a perfect blend of tradition and modernity exclusively curated for festive and special occasions, let's you experience a world of utmost grandeur. Under Utsava – eleven collections were introduced namely Sarangi, Bansuri, Ektara, Veena, Shehnai, Santoor, Mridangam, Sitar, Tabla, Sarod and Dafli.

Apart from Utsava, three new products were introduced. Liverpool (premium linen suiting fabrics in double weave), Manchester (exquisite linen shirting fabrics in chambray with prints) and Revive (recycled linen fabric collection that has sustainability at its core).

The tradeshow also witnessed the launch of **Burgoyne's** latest range of premium linen fabric collections featuring trendy designs, prints in an attractive palette of colours keeping in view the upcoming festive season.

The tradeshow received an overwhelming response with channel partners across India coming together to make it a resounding success and a memorable experience.

CMAI फैब शो 3rd एडीशन 26-28 अप्रैल को मुम्बई में

फैबेक्सा, अहमदाबाद की होगी विशेष भूमिका

गारमेण्ट फैब्रिक निर्माता आगामी फेस्टिव एवं विंटर सीजन के लिए पेश करेंगे नये डवलपमेण्ट्स

• **श्री गौरांग भगत**
प्रेसीडेंट
मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन

अहमदाबाद/ क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CMAI) द्वारा 26-28 अप्रैल 2023 को बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में फैब शो एग्जीबिशन के तीसरे संस्करण का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन एवं फैबेक्सा अहमदाबाद भी विशेष भूमिका निभा रहे हैं। मस्कती महाजन के प्रेसिडेंट श्री गौरांग भगत ने बताया कि CMAI की फैब्रिक्स एवं एसेसरीज पर आधारित पिछले साल आयोजित प्रथम एग्जीबिशन में भी फैबेक्सा की ओर से बड़ी संख्या में अहमदाबाद के गारमेंट फैब्रिक निर्माताओं ने भाग लिया था, जिसे रिस्पोंस भी अच्छा मिला। अब तीसरे संस्करण के आयोजन में फैबेक्सा की ओर से 60 से अधिक स्टॉल बुक करवाए गए हैं। श्री भगत ने कहा कि एग्जीबिशंस सप्लायर्स एवं बायर्स दोनों के लिए महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है। मेरा मानना है कि एग्जीबिशन का मतलब सिर्फ माल बेचना नहीं होता है बल्कि व्यापारी इस तरह के प्लेटफॉर्म पर R&D कर सकता है। फॉरकास्ट ट्रेण्ड का आकलन कर सीजन की एडवांस प्लानिंग करके अपना व्यापार बढ़ा सकता है।

• **श्री बाबूलाल सोनीगरा**
कोषाध्यक्ष, मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन एवं संयोजक, फैबेक्सा

फैब-शो के तीसरे संस्करण के बारे में चर्चा करते हुए महाजन के कोषाध्यक्ष एवं फेबेक्सा संयोजक श्री बाबूलाल सोनीगरा ने कहा कि CMAI फैब शो पिछ्ली बार की तरह इस बार भी हिट रहेगा। गारमेंट एवं फैब्रिक दोनों सेगमेंट के व्यापारियों के लिए प्रोडक्शन की प्लानिंग यहां से की जा सकती है। इसके अलावा फैब्रिक सप्लायर के प्रमोशन के साथ-साथ सीजन की प्री प्लानिंग भी बड़े स्तर पर कर सकता है। हमें फेब शो में बड़े गारमेण्ट ब्राण्ड्स एवं एक्सपोर्ट हाउसेज के पहुँचने की संभावना है। ऐसे में हम नये डवलपमेण्ट के साथ एक्जीबिशन भाग लेने जा रहे हैं।

• **श्री अमीष शाह**
प्रेसीडेंट, फैबेक्सा

शाश्वत टेक्सटाइल प्रा.लि. के युवा डायरेक्टर एवं फैबेक्सा प्रेसीडेण्ट श्री अमीष शाह ने कहा कि CMAI फैब शो एग्जीबिशन पूरे भारत के रेडिमेड गारमेंट निर्माताओं के लिए आगामी सीजन की तैयारी का अच्छा मौका है।

फैब्रिक सप्लायर्स इस समय आगामी सीजन के चलते नए-नए डेवलपमेंट्स पेश कर रहे हैं, ऐसे में गारमेंटर्स के लिए यह एग्जीबिशन फैब्रिक सोर्सिंग का अच्छा मौका है। फेस्टिव एवं विंटर सीजन की खरीदी तथा समर सीजन की प्लानिंग के लिए रेडीमेड गारमेंट निर्माताओं को इस एग्जीबिशन में जरूर शिरकत करनी चाहिए। श्री शाह ने कहा कि मुम्बई देश की बड़ी गारमेंट मंडी है, जहां पर बड़े बाइंग हाउसेज, एक्सपोर्ट हाउसेज सहित अधिकतर बड़े रेडीमेड गारमेंट ब्राण्ड्स के प्रॉडक्शन हाउसेज हैं। ऐसे में हर तरह के गारमेंट फैब्रिक एवं एसेसरीज बनाने वालों के लिए CMAI फैब शो एग्जीबिशन का 3rd एडीशन नया नेटवर्क बनाने में मददगार साबित होगा।

• **श्री अंकित सेठ**
सेक्रेटरी, फैबेक्सा

जाने माने युवा उद्यमी पानम टेक्सफेब प्रा.लि. के डायरेक्टर एवं फैबेक्सा के सेक्रेटरी श्री अंकित सेठ ने चर्चा के दौरान बताया कि फैब शो के रूप में अच्छी पहल की गई है। इनकी पिछली एक्जीबिशन भी अच्छी हुई थी। इस बार भी एग्जीबिशन के अच्छी जाने की पूरी उम्मीद है। देश के जाने माने फैब्रिक निर्माताओं एवं गारमेण्ट निर्माताओं को समर्पित CMAI फैब शो का तीसरा संस्करण गारमेण्ट ट्रेड से जुड़े व्यापारियों के लिए सोर्सिंग हब बनने जा रहा है जिसमें देशभर के गारमेण्ट ब्राण्ड्स, कटर्स, ट्रेडर्स, एजेण्ट्स, एक्सपोर्टर्स आदि बड़ी संस्था में भाग लेने वाले है, वहीं बड़ी संख्या में गारमेण्ट फैब्रिक निर्माता आगामी सीजन्स के लिए फैशनेबल एवं स्टाइलिश कलेक्शन प्रस्तुत करने वाले हैं।

• **श्री सोनू टेकवानी**
वाइस प्रेसीडेंट, फैबेक्सा

श्री महादेव टेक्सफैब प्रा.लि. के डायरेक्टर एवं फैबेक्सा के वाइस प्रेसीडेण्ट श्री सोनू टेकवानी ने कहा कि फैब शो के आयोजन से गारमेण्ट निर्माताओं एवं फैब्रिक निर्माताओं दोनों को एक नया मंच मिला है, जहां पर फैब्रिक निर्माता अपने फॉरकास्ट कलेक्शन को गारमेण्टर्स के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है तथा गारमेण्ट ब्राण्ड्स की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए डवलपमेण्ट कर सकता है। ऐसे में अगर हमें बड़ी प्लानिंग लेकर काम करना है, तो हर सीजन की एडवांस तैयारी करनी होगी। श्री टेकवानी ने कहा कि व्यापार एक लम्बी व्यावसायिक यात्रा है, जिसमें आज हम कुछ करेंगे तो उसका परिणाम भी निकट भविष्य में जरूर मिलता है।

अहमदाबाद टेक्सटाइल उद्योग का भविष्य बेहद उज्ज्वल -श्री किन्नर शाह

फैब्रिक्स एवं गारमेंट एक्सपोर्ट बढ़ाने की जरूरत

अहमदाबाद/ 'देश की गारमेंट इंडस्ट्री की फैब्रिक जरूरतों को पूरा कर रही अहमदाबाद मंडी कॉटन फैब्रिक उत्पादन एवं सप्लाई का सबसे बड़ा सेंटर है। यहां के युवा उद्यमियों ने कड़ी मेहनत एवं नियमित इनोवेशन से गारमेंट सेक्टर के लिए बेहतरीन कॉटन एवं ब्लेंडेड फैब्रिक्स का उत्पादन कर देश की गारमेंट निर्माता मंडियों में भरोसा कायम किया है। वर्ष 2010 से लेकर अब तक अहमदाबाद ने गारमेंट इंडस्ट्री में एक अलग ही पहचान बना ली है। मेन्स, वूमेंस एवं किड्स गारमेंट लिए हर तरीके का कपड़ा आज अहमदाबाद में निर्मित हो रहा है, तथा देशभर में सप्लाई किया जा रहा है। यही नहीं, विगत दस वर्षो में जिस तरह स्थानीय उद्यमियों ने अपने व्यवसायिक कौशल से देश विदेश में प्रतिष्ठा कायम की है, उससे अहमदाबाद का टेक्सटाइल में भविष्य बेहद उज्ज्वल लग रहा है।' ये विचार व्यक्त करते हुए स्थानीय प्रसिद्ध ग्रे फैब्रिक्स सेलिंग एजेंट राज इंटरनेशन के श्री किन्नर शाह ने आगे बताया कि अहमदाबाद टेक्सटाइल सेक्टर में सालों से अग्रणी पायदान पर रहा है परंतु जिस गारमेंट सेगमेंट की हम बात कर रहे हैं, उसमें लगातार ग्रोथ परिलक्षित हो रही है।

फैशन फैब्रिक्स का डेस्टिनेशन

श्री किन्नर शाह ने कहा कि अहमदाबाद में वर्ल्ड क्लास टेक्नोलॉजी से सुसज्जित प्रोसेस इंडस्ट्री विद्यमान है जो हर तरह का कपड़ा बनाने में सक्षम है, यहां के प्रतिष्ठित फैब्रिक निर्माताओं ने कठिन मेहनत से प्रोसेस इंडस्ट्री के सहयोग से अहमदाबाद की छवि को मजबूत किया है। आज देश की हर गारमेंट उत्पादक मंडी में यहां पर निर्मित कपड़े की जबरदस्त मांग रहती है। इसलिए मेरा मानना है कि अगर हम नियमित डेवलपमेंट करते हुए नए नए उत्पाद निर्माण की प्रक्रिया को जारी रखेंगे, तो आने वाले दस वर्षों में मंडी की कई गुना प्रगति संभव है। देश ही नही अपितु विश्व में अहमदाबाद में निर्मित कपड़े मांग दिनोंदिन बढ़ रही है, इससे हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। हमें हर दिन कुछ नया करने की सोच डवलप करनी होगी, साल में कम से कम चार बार नए फैशन चार्ट जारी करने होंगे तथा व्यापक स्तर पर मार्केटिंग करनी होगी।

मंडी को फैबेक्सा फेयर्स से मिली नई दिशा

श्री शाह ने कहा कि मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन की अगुवाई में फैबेक्सा फेयर्स का आयोजन करवाने से अहमदाबाद टेक्सटाइल इंडस्ट्री को नई दिशा एवं पहचान मिली है। सप्लायर्स एवं बायर्स को एक प्लेटफार्म पर लाना बहुत अच्छी पहल है। इस बार फेबेक्सा की और से लगातार दूसरी बार CMAI के साथ मिल कर मुंबई में एग्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है, हम स्वयं भी भाग ले रहे हैं वहीं सभी प्रतिभागियों को बहुत अच्छी तैयारी के साथ इस प्लेटफार्म पर प्रस्तुत होना चाहिए, क्योंकि आगे लंबा सीजन है, जिसकी तैयारी हमें इस फेयर से ही शुरू कर देनी चाहिए।

एक्सपोर्ट में भरपूर संभावनाएँ

यहां बात परदेश की करना चाहूंगा, आज पूरी दुनिया भारत की तरफ देश रही है। हर क्षेत्र में भारत अच्छा परफॉर्म कर रहा है तो टेक्सटाइल में भी अच्छा कर सकता है। हमारे देश में कॉटन उत्पादन से लेकर फिनिश कपड़ा बनाने तक के समस्त संसाधन मौजूद हैं फिर भी हम टेक्सटाइल एक्सपोर्ट में पीछे हैं। ऐसे में सरकार को भी भारतीय टेक्सटाइल एवं गारमेंट इंडस्ट्री के विकास के लिए ऐसी योजनाओं पर पुख्ता काम करना चाहिए, जिससे देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले टेक्सटाइल फील्ड की प्रगति सुनिश्चित हो सके।

EXHIBITORS NAME

NAKODA FASHION PVT LTD	JYOTI PRINTS
SHASWAT TEXTILES PRIVATE LIMITED	VIVEK TEXTILE AGENCY
BHAVNA PROCESSORS PVT LTD.	SHREE KEDAR COT FAB
SHREE MAHADEV TEXFAB PVT LTD	PANNA CLOTHING
PANAM TEXFAB PRIVATE LIMITED	BR FABRIC
SHREE CHAMUNDA FABRICS	C.A.PATEL TEXTILES PVT LTD
VIRU TEXTILE MILLS PVT. LTD.	ANKIT TEXTILES MILLS
KAMAL TEX FAB PVT LTD	DHARMAJI TEXTILES
CHANDERMAULI	HANSRAJ CLOTHING
AMBICA SYNFAB PVT.LTD.	PRINT MAGIC
MANGLA TEXTILES	RJ FASHION
CEEPENS FABRICS	SITA FABRIC MILLS PVT LTD
DINESHKUMAR & COMPANY	ANANT TEXTILE
MANOJ PRINTS PVT LTD	GN TEXTILES
SHRINATH SYNTHETICS	SACHIN TEXFAB PVT LTD
RAJ INTERNATIONAL	ADINATH TEX FAB
ACCESSORIES SHOP	KOHINOOR SYNTHETIC
SHREE RAMESH TEXTILE MILLS	KAUVERY FAB TEX
SIDDHACHAKRA WEAVING PVT LTD (SWPL)	SRI SHYAM FASHION
MAMTA KNIT FAB	LAXMI ENTERPRISE
DHANRAJ TEXTILES	MANGISHA FAB TEX
KEDAR TEXTILE	UKNITEX FASHION PVT LTD
MAURYA FABRICS	VINOD TEXWORLD PVT LTD
AMBE CREATION	-------------------------

गुणवत्तापरक रुई की अच्छी आवक होने से मांग में उछाल की संभावना

मुंबई/ हाजिर बाजार में रुई की आवक दिनों दिन बढ़ रही है, साथ ही भाव स्थिर हो गए हैं। निर्यात बढ़ने के आसार है, जो अभी तक बहुत ही कमजोर रहा है। अच्छी आवक के साथ गुणवत्ता भी अच्छी है। बाजारों में कपास की आवक अधिक होने का कारण किसानों को पहले ऊंचे भाव मिलने की आशा थी, लेकिन वैसा अब दिखाई नहीं दे रहा है। वैश्विक बाजारों में जो भारतीय रुई महंगी पड़ रही थी, वह अब समकक्ष पहुंच गई है। रुई का भाव प्रति खंडी 60500 रू के करीब है। रुई के भाव में स्थिरता आने के बाद रूई की मांग घरेलू स्तर पर बढ़ेगी ही, इसके साथ ही निर्यात में भी कारोबार अच्छा होने का संकेत है। यूरोप में भारतीय रुई के निर्यात के लिए संभावनाएं बढ़ गई है।

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की क्राप कमेटी ने कुल 8.5 लाख गांठ कम उत्पादन होने का अनुमान लगाया है। महाराष्ट्र सहित प्रमुख कपास उत्पादक केंद्रों पर कपास उत्पादन कम होने से ऐसा अनुमान लगाया गया है। पिछले वर्ष की तुलना में 51 लाख गांठ रुई बाजार में कम आई है। महाराष्ट्र में दो लाख गांठ, हरियाणा और कर्नाटक में एक-एक लाख गांठ, तेलंगाना में तीन लाख गांठ, तमिलनाडु और पंजाब में 50 हजार गांठ उत्पादन कम हो सकता है। चालू सीजन में करीब 113 लाख गांठ उत्पादन के

साथ पिछली सीजन का शेष 31.89 लाख गांठ मिलाकर उपयोग करने के लिए कुल 356.89 लाख गांठ रुई उपलब्ध रहेगी। फरवरी तक छह लाख गांठ का आयात किया गया है।

अब कपास के भाव में बहुत अधिक उछाल की संभावना नहीं होने से किसानों ने जो कपास का स्टॉक कर रखा था, उसे बाजारों में बेचना शुरू कर दिया है। यहीं कारण है कि मार्च महीने में पिछले पंद्रह दिनों से कपास की आवक तेजी से बढ़ी है। निर्यात के लिए बेंचमार्क संकर 6 रुई का भाव गुजरात में प्रति खंडी 61750 रू चल रहा है, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रति क्विटल 6080 रु है और बाजार का भाव 7900 रू प्रति क्विटल है। गैर प्रतिस्पर्धी भाव के कारण निर्यात के लिए रूई की खरीदी जो घट गई थी, इसमें फिर से सुगबुगाहट शुरू हो गई है। खबर है कि तुर्की से रुई का निर्यात बंद हो जाने से यूरोप की मांग भारत की ओर बढ़ रही है और अच्छे निर्यात सौदे किए गए है।

इस सीजन में बांग्लादेश की रुई की मांग कम होने से भारत से रुई का निर्यात कमजोर रहा है। निर्यात बढ़ने की उम्मीद कम हो गई थी। एक तो भाव अन्य देशों की तुलना में कुछ अधिक थे, लेकिन अब देश में कपास तथा रुई के भाव में भारी कमी आने के बाद जहां स्थानीय स्तर पर स्पिनिंग मिलों की रुई में लेवाली बढ़ने का अनुमान है, तो दूसरी ओर यूरोप के देशों में भारत से रुई का आयात फरवरी महीने से कुछ कुछ बढ़ना शुरू हुआ, जो मार्च महिने तक अच्छी पोजीशन में आ चुका है। फरवरी तक आठ लाख गांठ निर्यात किया गया था। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया को अभी भी इस सीजन में 30 लाख गांठ निर्यात का अनुमान है, जो पिछली सीजन में 43 लाख गांठ था।

कपड़ा बाजार में रौनक नहीं, फिनिश कपड़ों की मांग नहीं बढ़ी

विदेश व्यापार नीति में टेक्सटाइल सब्सिडी के स्थान पर कर में राहत

मुंबई/ रमाशंकर पांडेय

कपड़ा बाजार में मार्च एंडिंग और धनाभाव के कारण कामकाज कमजोर है। सभी प्रमुख कपड़ा मंडियों में इसी तरह की स्थिति होने की जानकारी मिली है। ग्राहकी के अभाव में कामकाज मंदा है। आयातित कपड़ों में थोड़ा मूवमेंट है। अप्रैल में समर सीजन, स्कूल यूनिफॉर्म और शादियों की ग्राहकी चलने की संभावना है। कॉटन यार्न नरम है। रमजान का महिना होने से मुस्लिम कारीगरों की कमी है। ग्रे कपड़ों का उत्पादन कम है, फिर भी लेवाली नहीं होने से वीवर्स मायूस हैं। न केवल भिवंडी में बल्कि इचलकरंजी में भी कामकाज कम है। ग्रे कपड़ों में लेवाली नहीं बढ़ने से टोन नरम है। रेपियर लूम की जॉब की दर प्रति पीक 18 से 20 पैसा और एयरजेट की साढ़े 12 से 14 पैसा है।

स्थानीय कपड़ा बाजार में रौनक नहीं है। फिनिश कपड़ों की मांग नहीं निकल रही है। रिटेलर्स की मांग घटी है। दिसवरी मंडियों से व्यापारियो को बाजार में आना और कपड़ों की खरीदी करना घटता जा रहा है। समर सीजन की तैयारी कर बैठे व्यापारियों की धारणा है कि आगे कारोबार चलेगा। स्कूल यूनिफॉर्म में थोड़ी हलचल शुरू हुई है और मालों की डिलीवरी होने लगी है। स्कूल यूनिफॉर्म उत्पादों की भरमार हो गई है। छोटे एवं बड़े सभी प्रकार के उत्पादकों के होने से बाजार में माल की कोई कमी नहीं है। स्कूल यूनिफॉर्म के उत्पादन में कुछ मिलों की पोजीशन पहले से ही मजबूत रही है, कुछ ऐसी यूनिटें हैं, जो उम्दा किस्म की सूटिंग एवं शर्टिंग की रेंज में व्यापक पैमाने पर यूनिफॉर्म बना रही है।

घोषित महत्वाकांक्षी विदेश व्यापार नीति में टेक्सटाइल सब्सिडी के स्थान पर कर में राहत दी जाएगी। वर्ष 2030 तक निर्यात को दो लाख करोड़ डालर करने का लक्ष्य इसमें रखा गया है। इतना ही नहीं भारतीय रूपए को वैश्विक चलण बनाने की पहल की गई है। नई विदेश व्यापार नीति की घोषणा करते हुए केंद्रीय वाणिज्य उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा है कि निर्यातकों, राज्य, जिला और भारतीय मिशन के बीच सहयोग को प्रोत्साहन देने की नीति के अलावा व्यवसाय खर्च घटाने और नए निर्यात केंद्र खोलने पर इसमें विशेष जोर दिया गया है। स्पेशल एडवांस ऑथराइजेशन स्कीम को अब एपरल एवं क्लोदिंग क्षेत्र के लिए बढ़ाया गया है, ताकि वे निर्यात आर्डरों को अब पूरा कर सकें।

31 मार्च शुक्रवार को घोषित नई विदेश व्यापार नीति की सराहना करते हुए दी कॉटन टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल के अध्यक्ष श्री सुनील पटवारी का कहना है कि यह नीति प्रगतिशील और सही दिशा में है। इस नीति में निर्यातकों की अनेक समस्याओं को हल किया गया है, लेकिन कॉटन टेक्सटाइल के निर्यात को तेज करने की जरूरत है। कॉटन टेक्सटाइल के निर्यात को गतिवान बनाने के साथ रुई पर आयात शुल्क समाप्त करने तथा कुछ मेडअप्स उत्पादों के आरओडीटीईपी दरों में वृद्धि करने की जरूरत है। इस नीति में धंधा करने की सरलता बढ़ाई गई है। ई-कामर्स निर्यात पर जोर देने और नया एक्सपोर्ट हब बनाने से निर्यातकों को बड़ी राहत मिलने की संभावना है।

वैश्विक मंदी का असर कपड़ों के कारोबार पड़ता दिखाई दिया है। कपड़ा उद्योग के सभी चैनलों के सामने चुनौतियां बनी हुई है। इसमें यार्न के उत्पादन से लेकर कपड़ों का उत्पादन, कपड़ों की बिक्री और डाईंग एवं प्रोसेसिंग कामकाज शामिल है। वीविंग इकाई एवं मिलों में कपड़ों का उत्पादन पूरी क्षमता से नहीं हो रहा है। कपड़ों की स्थानीय एवं निर्यात मांग को जैसा सपोर्ट मिलना चाहिए, वैसा नहीं मिला है। बेकाबू हुई महंगाई से मध्यम और गरीब वर्ग की खरीद शक्ति घट गई है, इसका विपरीत असर कपड़ों के कामकाज पर देखा जा रहा है। यही कारण है कि दीपावली के समय चले कारोबार के बाद लगा था कि आगे सीजन में कपड़ों में कारोबार सुधरेगा, परंतु वैसा नहीं हुआ है।

बिक्री के सीजन में जहां कारोबार में इजाफा होना चाहिए था, लेकिन घटा है। लोग कपड़ों की खरीदी करने से बच रहे हैं, कारण कि आगे बच्चों के स्कूल यूनिफॉर्म के अलावा अन्य जरूरी मदों पर उनको खर्च करना होगा। यदि आगे के दिनों में घरेलू बाजारों में कपड़ों की मांग नहीं सुधरती है, तो कपड़ों में कारोबार की स्थिति और खराब हो सकती है। डाईंग और प्रोसेस हाउस, में कम क्षमता से काम हो रहा है और कच्चे माल की बढ़ी कीमतों का असर इन पर दिखाई दे रहा है। कपड़ों की कमजोर मांग के कारण न तो वीविंग में कामकाज पूरी क्षमता से हो रहा है और न ही डाईंग एवं प्रोसेसिंग युनिटों में। डिजिटल प्रिंट में जरूर तेजी है और इसका विस्तार होता जा रहा है।

पिछले एक वर्ष से भारत का टेक्सटाइल उद्योग विशेषकर काटन उद्योग को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। रुई के भाव इतने अधिक बढ़ गए थे कि वीविंग उद्योग में कारोबार करना कठिन था। इतना ही नहीं, हमेशा भाव में इजाफा होने का डर बना रहता था। इसलिए सिर्फ आर्थिक दृष्टि से मजबूत बड़े वीवर्स ही कपड़ों का उत्पादन करने और कुछ स्टॉक रखने की हिम्मत जुटा पाते थे। जॉबवर्क करने वाले वीवर्स बहुत अधिक परेशान थे। इस स्थिति में बड़ी तेजी से बदलाव आया है और न सिर्फ रुई के भाव घटकर इंटरनेशनल स्तर पर पहुंच गए हैं, बल्कि कॉटन यार्न का भाव लगातार घटा है। अभी कॉटन यार्न का भाव 275 रू प्रति किलो से घटकर 265 रू हो गया है।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिन्टर्स, बी-36, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**